04 - तारो में बहती बिजली फिर जोड़ेगी दिल

05 - अंतरराष्ट्रीय मांडना कलाकार कौशल्या देवी शर्मा और उनका रचना...

A Daily News Magazine

इंदौर

शनिवार, 17 अगस्त, 2024

06 - स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में राज्यमंत्री श्री पटेल ने फहराया...

07- कलेक्टर बंगले के सामने तक आवारा जानवरों का जमघट...!

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 293, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

क्या शेख हसीना पर आपराधिक मुकदमा चलाना संभव है?

तान्हा तसनीम

दि इंटरनेशलन क्रिमिनल ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी आंदोलन के संबंध में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना समेत नौ लोगों के खिलाफ जांच करने का फैसला लिया है। सभी पर हत्या, नरसंहार और यातना के आरोप लगाए गए हैं। आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान एक छात्र के पिता ने बुधवार को यह याचिका लगाई थी।

अंतरिम सरकार के कानून, न्याय और संसदीय मामलों के सलाहकार प्रोफेसर आसिफ नज़रूल ने बुधवार को कहा कि अभियुक्तों के खिलाफ इंटरनेशलन क्रिमिनल ट्रिब्यूनल में मुक़दमा शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'आप साफ़ तौर पर कह सकते हैं कि आईसीटी में ट्रायल शुरू किया जाएगा। यह इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल है। मुक़दमे के तहत हम पूर्व प्रधानमंत्री और अन्य लोग, जिन पर आरोप है, हम उन्हें कोई छूट नहीं देंगे।' सवाल यह है कि क्या युद्ध अपराधियों पर मुक़दमा चलाने के लिए बने इस कानून में शेख हसीना पर मुकदमा चलाना संभव है? इस कानून में क्या कहा गया है?

बांग्लादेश में जब 2008 के चुनाव हुए थे तब अवामी लीग ने घोषणापत्र में कहा था कि मानवता के खिलाफ अपराध करने वालों के खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा। संसदीय चुनाव जीतने के बाद अवामी लीग सरकार ने वादे के मुताबिक मुकदमे की पहल की थी। 1973 में बने इंटनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल एक्ट के तहत अभियुक्त की जांच और मुक़दमा चलाया जा सकता है।

यह एक्ट 1971 के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बांग्लादेश में हुए मानवता के खिलाफ अपराधों पर मुकदमा चलाने के लिए बनाया गया था। हालांकि साल 2010 से पहले इस कानून के तहत ना तो किसी पर मुक़दमा चलाया गया और ना ही किसी को सज़ा दी गई। साल 2009 में बांग्लादेश की संसद ने 'युद्ध अपराधियों पर मुक़दमा' चलाने पर एक मौखिक प्रस्ताव पास किया था। इसके बाद व्यक्तियों और समूहों पर ट्रिब्यूनल में ट्रायल चलाने और ट्रिब्यूनल की कार्यवाही के स्वतंत्र संचालन के लिए कानून में कुछ संशोधन किए गए। इसके ज़रिए साल 2010 में ट्रिब्यूनल, वकीलों के पैनल और जांच एजेंसियों का गठन किया गया।

इस कानून की धारा 3(1) के मुताबिक कोई व्यक्ति, समूह या सशस्त्र और सुरक्षा बलों से जुड़ा कोई सदस्य इस कानून की उप-धारा दो में बताए गए किसी भी अपराध में शामिल है तो उस पर आईसीटी मुकदमा चलाने और सजा देने का अधिकार रखता है। कानून के मुताबिक बांग्लादेश की सीमा में गए अपराधों के लिए आईसीटी के पास यह अधिकार होगा, भले व्यक्ति या समूह किसी भी राष्ट्र से क्यों ना संबंध रखता हो। मानवता और शांति के खिलाफ अपराध, नरसंहार, युद्ध अपराध, जिनेवा कन्वेशन के विपरीत काम करना, अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपराध करने की स्थिति में इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल को मुकदमा चलाने की शक्ति दी गई है।

बांग्लादेश सरकार के अटॉर्नी जनरल मोहम्मद असदुज्जमां ने कहा कि इस कानून के तहत पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर मुकदमा चलाना संभव है। उन्होंने कहा कि 1973 का जो कानून है उसमें मानवता के खिलाफ अपराध की जो परिभाषा दी गई है, यह अपराध भी उसी के अंदर आता है। इसका मतलब है कि शेख़ हसीना के खिलाफ़ अधिनियम की धारा तीन की उपधारा 2(ए) के मुताबिक मानवता के विरुद्ध अपराध का आरोप लगाया जा सकता है।

इस धारा के अनुसार, हत्या, विनाश, गुलाम बनाकर रखना, निर्वासन, कारावास, अपहरण, यातनाएं देना, रेप, नागरिकों के खिलाफ किए गए अमानवीय कृत्यों की सुनवाई इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल में की जा सकती है। इसके अलावा यहां राजनीतिक, जातीय या धार्मिक आधार पर उत्पीड़न के मामलों की सुनवाई भी हो सकती है। राणा दासगुप्ता ने इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल में अभियोजक के रूप में काम किया है। हालांकि उन्होंने 13 अगस्त को इस्तीफा दे दिया था। वे बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद के महासचिव भी हैं।

दासगुप्ता कहते हैं, 'इस कानून का एक लंबा इतिहास है। यह 1971 के मुक्ति संग्राम को देखते हुए बनाया गया था। यह कानून उन लोगों पर मुक़दमा चलाने के लिए बनाया गया है जिन्होंने वहां युद्ध अपराध किए हैं।' उनका मानना है कि जिस संदर्भ में बात की जा रही है, वह संदर्भ यहां लागू नहीं होता है। हालांकि, बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील मंजिल मोर्शेड का मानना है कि शेख हसीना और अन्य पर मुक़दमा आसानी से चलाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'पिछली सरकार ने जो कानून संशोधित किया था, उसमें मानवता के खिलाफ अपराध या नरसंहार का मुक़दमा चलाया जा सकता है।'

वकील का कहना है कि ट्रिब्यूनल के पास किन अपराधों के खिलाफ मुक़दमा चलाने की शक्ति है, वह कानून में साफ-साफ लिखा गया है। उनका कहना है कि इस मामले में बहस की कोई गुंजाइश नहीं है। पाँच अगस्त को सावर में गोली लगने से अलीफ़ अहमद सियाम नाम के एक छात्र घायल हो गए थे। वे नौवीं कक्षा में पढ़ते थे। घायल होने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया लेकिन दो दिन बाद ही उनकी मौत हो गई। उसी के मद्देनज़र पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना समेत 9 लोगों पर मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। छात्र के पिता बुलबुल कबीर की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के वकील गाजी एमएच तनीम ने इसे लेकर इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल की जांच एजेंसी में शिकायत दर्ज कराई है।

इसी दिन मीरपुर में कॉलेज छात्र फैजुल इस्लाम राजोन की हत्या के आरोप में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना समेत 24 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद गुरुवार को मीडिया में खबर आई कि राजधानी ढाका के शेरेबंगला नगर थाना क्षेत्र मंब भी शेख हसीना समेत 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। इस मामले में उन पर शहाबुद्दीन नाम के ऑटो रिक्शा चालक की हत्या का आरोप लगाया गया है।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

यूसीसी पर पीएम मोदी ने कर दिया 'खेला'

● यूनिफॉर्म सिविल कोड पर पीएम ने चल दी 'चक्रव्यूह' वाली चाल ● यूनिफॉर्म की जगह 'सेकुलर सिविल कोड' कह विपक्ष को उलझाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार लाल किले की प्राचीर से यूनिफॉर्म सिविल कोड का जिक्र किया। अब इस बात का जिक्र होना कोई नई बात नहीं है, बीजेपी का तो यह पुराना एजेंडा रहा ही है, साथ ही साथ पीएम मोदी ने भी कई मौकों पर इस मुद्दे को उठा रखा है। लेकिन विपक्ष को चित करने के लिए इस बार पीएम मोदी ने अपने सियासी पिटारे से एक नया तीर छोड़ा है। उन्होंने बड़ी ही चालाकी से इस बार यूनिफॉर्म सिविल कोड को सेकुलर सिविल कोड बता दिया है। इस समय ऐसी चर्चा चल रही है कि पीएम मोदी ने सिर्फ एक शब्द ही तो बदला है, इससे क्या ही असर पड़ जाएगा। उन्होंने सिर्फ यूनिफॉर्म की जगह सेकुलर बोल दिया है, लेकिन अगर ध्यान से समझने की कोशिश हो तो इसे ही

सबसे बड़ी रणनीति माना जाएगा। अगर थोड़ा पीछे चला जाए तो पता चलता है कि बीजेपी को सबसे ज्यादा हमले यह बोलकर होते हैं कि पार्टी सांप्रदायिक है, उसकी तरफ से हिंदू-मुस्लिम किया जाता है। इसी वजह से जब बीजेपी ने यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की बात कही, विपक्ष ने तुरंत इसे 'हिंदू सिविल कोड' की तरह पेश किया, दिखाने की पूरी कोशिश की कि देश की सबसे बड़ी पार्टी अपने पुराने हिंदुत्व वाले एजेंडे पर आगे बढ़ रही है, उसे बस मुस्लिमों को दबाने का काम करना है। अब इस नेरेटिव से लड़ने के लिए ही पीएम मोदी ने बड़ा वाला खेल कर दिया है। स्वतंत्रता दिवस की स्पीच में उन्होंने जानबूझकर इस बार सेकुलर सिविल कोड का जिक्र किया है। सेकुलर का मतलब होता है धर्मनिरपेक्षता।

इसरो की ईओएस-08 सैटेलाइट लॉन्चिंग रही सफल

● सबसे छोटे रॉकेट एसएसएलवी से भेजा गया, एक साल का यह मिशन आपदा का अलर्ट देगा

चेन्नई (एजेंसी)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) ने देश के सबसे छोटे रॉकेट एसएसएलवी-डी 3 से अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट-8 (ईओएस-08) को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया। इसरो चेयरमैन एस सोमनाथ ने बताया, लॉन्चिंग सफल रही। उन्होंने पूरी टीम को बधाई दी। यह सैटेलाइट पृथ्वी की कक्षा से बाहर करीब 475 किमी ऊपर स्थापित किया गया। यह एक साल तक काम करेगा। ईओएस-

08 सैटेलाइट का मकसद पर्यावरण और आपदा को लेकर सटीक जानकारी देना है। इससे पहले इसरो ने 15 अगस्त को लॉन्चिंग की तारीख तय की थी। फिर इसे एक दिन बाद लॉन्च किया गया। अंतरिक्ष में भेजे गए ईओएस-08 सैटेलाइट में तीन पेलोड हैं। इसमें इलेक्ट्रो ऑप्टिकल इंफ्रारेड पेलोड, ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम-रिफ्लेक्टोमेट्री पेलोड और एसएसएलवी-डी डोसीमीटर शामिल हैं। इसरो के सबसे छोटे रॉकेट की यह तीसरी लॉन्चिंग है।

मौसम-ए-गुल पर खिज़ाँ का
ज़ोर चल जाता है क्यूँ
हर हसीं मंज़र बहुत जल्दी
बदल जाता है क्यूँ
यूँ अँधेरे में दिखा कर
रौशनी की इक झलक
मेरी मुट्ठी से हर इक जुगनू
निकल जाता है क्यूँ
रौशनी का इक मुसाफ़िर
थक के घर आता है जब
तो अंधेरा मेरे सूरज को
निगल जाता है क्यूँ
तेरे लफ़्ज़ों की तपिश से
क्यूँ सुलग उठती है जाँ
सर्द-मेहरी से भी तेरी
दिल ये जल जाता है क्यूँ
अब के जब लौटेगा वो तो
फ़ासला रक्खेंगे हम
ये इरादा उस के आते ही
बदल जाता है क्यूँ
दूर है सूरज 'अलीना'
फिर भी उस की धूप से
बर्फ़ की चादर में लिपटा
तन पिघल जाता है क्यूँ।

- अलीना इतरत

आईएएस संजीव सिंह भोपाल संभाग के नए कमिश्नर

डॉ. पवन शर्मा केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर गए; नए ने ज्वाइन किया

भोपाल (नप्र)। भोपाल संभाग के नए कमिश्नर संजीव सिंह ने शुक्रवार को पदभार संभाल लिया। उन्हें निवृत्तमान कमिश्नर डॉ. पवनकुमार शर्मा ने पदभार सौंपा। डॉ. शर्मा

केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर गए हैं। उन्हें गृह विभाग में ज्वाइंट सेक्रेटरी बनाया गया है। वे भी रिलीव हो गए हैं।

नए कमिश्नर सिंह 2005 बैच के आईएएस हैं। वे प्रदेश में विभिन्न पदों पर कार्य कर चुके हैं। दोपहर में वे कमिश्नर ऑफिस पहुंचे। जहां पदभार संभाल लिया। निवर्तमान आयुक्त डॉ. शर्मा भी मौजूद थे।

स्टॉफ से जानकारी ली- ज्वाइनिंग के बाद नए कमिश्नर सिंह ने स्टॉफ से मुलाकात की। उन्होंने स्टॉफ के बीच विभाजित कार्यों के बारे में भी जाना।

समृद्ध भाषा और सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का अवसर है भारतीय भाषा महोत्सव : मुख्यमंत्री

● मुख्यमंत्री ने सप्रे संग्रहालय की गतिविधियों को सराहा ● सप्रे संग्रहालय की अनुदान राशि की दोगुनी ● मुख्यमंत्री ने महोत्सव का किया शुभारंभ

बोले-ज्यादा दिनों तक भारत अलग-अलग नहीं दिखेगा,बांग्लादेश संकट के बीच कहा- दायित्व के कारण बोलने में कठिनाई, भारत एक ही दिखेगा

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय भाषा महोत्सव हमारी समृद्ध भाषा और सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने और प्रोत्साहित करने का अद्भुत अवसर है। भारतीय भाषाओं में हिंदी का विशेष महत्व रहा है। हिंदी का संबंध संस्कृत से है। संपूर्ण भारतीय संस्कृति में संस्कृत की व्यापकता है और यही सांस्कृतिक व भाषाई विस्तार अखंड भारत के स्वरूप का आधार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माधवराव सप्रे संग्रहालय द्वारा संचालित गतिविधियों की सराहना करते हुए संग्रहालय को राज्य सरकार द्वारा दिए जा रहे 10 लाख रुपये के अनुदान को बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय द्वारा आयोजित भारतीय भाषा महोत्सव का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। उद्घाटन समारोह में कहा- वर्तमान का हमारा भारत या अखंड भारत का दृश्य अपने आप अपनी आंखों के सामने आएगा। आज नहीं तो कल....यह बात मान कर चलिए।

सप्रे संग्रहालय संदर्भिका और भाषा सत्याग्रह पुस्तिकाओं का हुआ विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सप्रे संग्रहालय में शॉल, पुस्तकें और कलम की प्रतिकृति भेंट कर अभिवादन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सप्रे संग्रहालय संदर्भिका और भाषा सत्याग्रह पुस्तिका का विमोचन किया।

भाषाओं के साथ-साथ बोलियों का भी विशेष महत्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में भाषाओं के साथ-साथ बोलियों का भी विशेष महत्व रहा है। बोलियों की विशेषता क्षेत्रीय इतिहास से भी जुड़ी है। बुंदेली जहां शौर्य, पराक्रम और पुरुषार्थ से परिपूर्ण है, वहीं मालवी बोली की अपनी गहराई है।

विश्वरंग मॉरीशस में 'सुबह सवेरे'

मॉरीशस। विश्व पर्यटन के सुन्दर देश मॉरीशस में हाल ही सम्पन्न साहित्य, संस्कृति और कलाओं के अंतरराष्ट्रीय महोत्सव 'विश्वरंग 2024' के अंतर्गत भोपाल से प्रकाशित समाचार पत्र 'सुबह सवेरे' के विशेषांक का लोकार्पण हुआ। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्व विद्यालय तथा विश्व हिन्दी सचिवालय की साझा मेजबानी में 7 से 9 अगस्त तक आयोजित इस विराट समारोह का उद्घाटन मॉरीशस गणराज्य के राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह रूपन और समापन प्रधानमंत्री प्रवीन कुमार जगनाथ ने किया। विश्वरंग के निदेशक, साहित्यकार-संस्कृतिकर्मी तथा टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे के नेतृत्व में तीस से भी अधिक देशों के सौ से भी अधिक प्रतिनिधियों तथा मॉरीशस के अनेक गणमान्यजनों, लेखक-कलाकारों, युवा रचनाधर्मियों और शोधार्थियों ने तीस सत्रों में अपनी भागीदारी दर्ज की। हिन्दी में विज्ञान लेखन पर केन्द्रित एक विशेष सत्र में विश्व ख्याति प्राप्त लेखक तथा

वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. देवेन्द्र मेवाड़ी और विज्ञान अनुसंधान केन्द्र मुंबई के वरिष्ठ अनुसंधानकर्ता डॉ. के.के. मिश्र और विज्ञान तथा तकनीकी चिंतक डा. मनीष मोहन गोरे ने 'सुबह सवेरे' का विश्वरंग पर केन्द्रित विशेषांक जारी किया। इस अवसर पर विश्वरंग के सांस्कृतिक समन्वयक तथा टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र के निदेशक विनय उपाध्याय, 'इलेक्ट्रॉनिकी' के सहसंपादक मोहन सगोरिया तथा 'वनमाली वार्ता' की संपादक ज्योति रघुवंशी भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि 'सुबह सवेरे' विश्वरंग की शुरूआत (सन् 2019) से ही प्रति वर्ष नियमित रूप से बहुरंगी विशेष संस्करण प्रकाशित करता रहा है। मॉरीशस में विश्वरंग का यह छटवाँ संस्करण था। देश-देशांतर से आए लेखक, हिन्दी संचारकों, आलोचकों तथा साहित्य-कला की विभूतियों ने 'सुबह सवेरे' में संकलित सामग्री तथा उसके कल्पनाशील आकल्पन की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 38.5 °c

न्यूनतम 33°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार,17 अगस्त 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

अस्पताल में तोड़फोड़ पर 'हाई' हुए हाईकोर्ट के तेवर

● ममता सरकार पर की सख्त टिप्पणी,बेहतर है अस्पताल बंद कर दिया जाए ● 7 हजार लोग एक साथ पैदल नहीं आ सकते,मरीजों को शिफ्ट किया जाए

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में लेडी डॉक्टर के साथ रेप और हत्या की घटना के बाद अस्पताल में तोड़फोड़ पर कोलकाता हाई कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। कोलकाता हाई कोर्ट ने कहा है कि बेहतर है अस्पताल को बंद कर दिया जाए और मरीजों को दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया जाए। कोलकाता हाई कोर्ट ने कहा, यह घटना राज्य मशीनरी की पूरी नाकामी का सबूत है और यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। डॉक्टर निडर होकर काम कैसे करेंगे। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा कि इस घटना के बाद आप क्या कर रहे हैं। एहतियात के तौर पर क्या कदम उठाए गए थे। हाई कोर्ट में अस्पताल में हुई तोड़फोड़ और सबूत मिटाने की कोशिशें की जांच को लेकर एक याचिका दायर हुई थी। इसमें कार्यवाही की मांग की गई थी। हाई कोर्ट ने कहा कि आमतौर पर अगर लोग

अस्पताल में घुसते हैं, तो इमरजेंसी की स्थिति में भी पुलिस को वहां रहना पड़ता है लेकिन अगर 7000 लोग एक साथ अंदर आते हैं तो यह मानना मुश्किल है कि यह राज्य सरकार की विफलता नहीं है। हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर 7000 लोग आ रहे थे तो पैदल तो नहीं आ सकते, इसलिए राज्य मशीनरी पूरी तरह से विफल हुई है। वहीं राज्य सरकार की ओर से पेश हुए वकील ने अदालत में कहा कि हमने स्थिति को संभाल लिया है। सरकार ने कहा कि आरोपियों की पहचान करके और उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके बाद कोर्ट ने राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि घटना के बाद यह सब क्यों हो रहा है। आपने पहले क्यों उस पर ध्यान नहीं दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि अगर 15 लोग घुसते हैं तो हम समझ सकते हैं, सुरक्षा में चूक हुई है।

संक्षिप्त समाचार

राहुल की नागरिकता पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे सुब्रमण्यन स्वामी

● सरकार से ऐक्शन की मांग, लगाया नरम रुख अपनाने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता सुब्रमण्यन स्वामी ने राहुल गांधी की नागरिकता के मामले में सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की है। स्वामी ने पिछले सप्ताह ही आरोप लगाया था कि राहुल गांधी के पास ब्रिटेन की नागरिकता है। अब उन्होंने अदालत का रुख किया है और मांग की है कि वह केंद्र सरकार को इस मामले में ऐक्शन लेने को कहे। इसके अलावा कोर्ट से मांग की है कि वह केंद्र सरकार से मेरी शिकायत पर स्टेटस रिपोर्ट मांगे। अगस्त 2019 में सुब्रमण्यन स्वामी ने केंद्र सरकार को पत्र लिखा था। उन्होंने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी के पास ब्रिटेन की नागरिकता है और वहां का पासपोर्ट रखते हैं। उन्होंने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 9 का उद्धरण देते हुए कहा था कि वह किसी एक देश के ही नागरिक हो सकते हैं। सिटिजनशिप ऐक्ट 1955 का जिक्र करते हुए स्वामी ने कहा था कि उनसे भारत की नागरिकता छीन लेनी चाहिए। संविधान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा था कि यदि कोई नागरिक दूसरे देश की सिटिजनशिप लेता है तो फिर उसे भारतीय नागरिता का त्याग करना होगा। इस संबंध में केंद्र सरकार की ओर से राहुल गांधी को 20 अप्रैल, 2019 को एक नोटिस भी भेजा गया था। इस नोटिस का विषय था- नागरिकता के संबंध में शिकायत। स्वामी का कहना था कि ब्रिटेन में पंजीकृत कंपनी बैकलॉप्स लिमिटेड के राहुल गांधी निदेशकों में से एक हैं। उनका दावा था कि कंपनी ने सालाना रिटर्न 2005 और 2006 में फाइल किया था।

70वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स का हो गया ऐलान

● मनोज बाजपेयी की गुलमोहर बेस्ट हिंदी फिल्म

मुंबई (एजेंसी)। शुक्रवार को 70वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स का अनाउंसमेंट किया गया। इसमें मनोज बाजपेयी और शर्मिला टैगोर की फिल्म गुलमोहर को बेस्ट हिंदी फिल्म चुना गया है। कांतारा ने बेस्ट एक्टर और बेस्ट फिल्म के अवॉर्ड अपने नाम किए। फिल्म के लिए ऋषभ शेट्टी बेस्ट एक्टर चुने गए हैं। तमिल फिल्म तिरुचित्राम्बलम के लिए नित्या मेनन और गुजराती फिल्म कच्छ एक्सप्रेस के लिए मानसी पारेख बेस्ट एक्ट्रेस बनी हैं। फिल्म ऊंचाई के लिए बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड सूरज बड़जात्या को मिला है। इसी फिल्म के लिए नीना गुप्ता ने बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता है।

प्लेबैक सिंगिंग कैटेगरी में ब्रह्मास्त्र के लिए अरिजीत सिंह ने अवॉर्ड जीता है। ये अवॉर्ड उन फिल्मों के लिए दिए गए हैं जिन्हें फिल्म सेंसर बोर्ड ने 1 जनवरी 2022 से 31 दिसंबर 2022 के बीच सेंसर सर्टिफिकेट दिया है। अवॉर्ड सेरेमनी अक्टूबर 2024 में होगी। नेशनल अवॉर्ड विनर को एक मेडल की तरह रजत कमल या स्वर्ण कमल दिए जाते हैं। इसके साथ-साथ नकद पुरस्कार भी दिया जाता है। वहीं, कुछ कैटेगरी में सिर्फ स्वर्ण कमल या रजत कमल ही मिलता है। पिछले साल यह अवॉर्ड अल्लू अर्जुन को मिला था।

गिरीश जोशी एमसीयू कुलगुरु द्वारा सम्मानित

भोपाल। कर्मस्थली माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली के सदस्य सचिव आदरणीय डॉ. प्रो. सच्चिदानंद जोशी तथा विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु प्रो. डॉ. के जी सुरेश द्वारा विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार की ओर से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के कुलगुरु एस के जैन, मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय फीस नियामक आयोग के अध्यक्ष रविंद्र कान्हेरे, मिलेनियम एजुकेशन ग्रुप के चेयरमेन विनोद यादव, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र सहकार्यवाह हेमंत मुक्तिबोध , डॉ. भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व चांसलर प्रकाश बरतूनिया, विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर डॉ. अविनाश वाजपेई, समस्त विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, अधिकारी , कर्मचारी, तथा विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस हेतु मेपकास्ट द्वारा कार्यक्रमों का आगाज

मेपकास्ट एवं जल संसाधन विभाग का संयुक्त आयोजन

भोपाल। विद्यार्थियों में अंतरिक्ष विज्ञान और रॉकेट्री के प्रति आकर्षण और रोचकता पैदा करने के लिए शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक चुनाभट्टी विद्यालय एवं सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या महाविद्यालय में मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद एवं जल संसाधन विभाग के सहयोग से भारतीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। शासकीय स्कूल के बच्चों ने रॉकेट लांच और चंद्रयान की सॉफ्ट लैंडिंग कर राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया । इस कार्यक्रम में सबसे पहले चरण शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक चुनाभट्टी विद्यालय में उद्घाटन सत्र में अतिथि के रूप में मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के प्रधान वैज्ञानिक श्री विकास शेन्डे द्वारा भारतीय चंद्रयान 3 कार्यक्रम के महत्व और इस लक्ष्य को प्राप्त करने में आने वाली कठिनाइयों के संबंध में बताया गया कि किस प्रकार भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने सफलतापूर्वक

इस वैश्विक उपलब्धि को प्राप्त किया। इसके बाद विशेषज्ञ के रूप में शैलेंद्र कसेरा ने बच्चों को सॉफ्ट लैंडिंग में आने वाली समस्याओं को प्रयोगात्मक रूप से समझने के लिए चंद्रयान सॉफ्ट लैंडिंग प्रतियोगिता करवाई जिसमे स्कूल के द्वारा चंद्रयान का लैंडर मॉडल डिजाइन कर आसपास के सामान्य घरेलू वस्तुओं से बनाया गया और सभी चंद्रयान लैंडर मॉडलों के सॉफ्ट लैंडिंग की प्रतियोगिता कराई गई जिसमे छात्राओं द्वारा डिजाइन कर बनाए गए लैंडर ने सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग की। इसके साथ ही भारत की अंतरिक्ष की गौरव गाथा जैसे विषय पर पेंटिंग और निबंध प्रतियोगिता भी करवाई गई। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वाटर रॉकेट की लांचिंग था जिसमें बच्चों द्वारा वाटर बोतल से रॉकेट बनाए गए जिस से बच्चों को खुद करके मॉडल रॉकेटरी को निकटता से समझने का मौका मिला। इस कार्यक्रम का कुशल समन्वयन श्रीमती ममता शर्मा के निर्देशन में श्रीमती रश्मि नायक द्वारा किया गया। जिसमें बच्चों को भारतीय अन्तरिक्ष विज्ञान में भारत की विकास यात्रा को प्रयोगात्मक रूप से समझने का अवसर प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों सहित अनिता धोते, नीता पटेल सहित सभी शिक्षक - शिक्षिकाओं इस अंतरिक्ष विज्ञान के रोचक कार्यक्रम का लुफ्त उठाया।

घाटी में तीन और हरियाणा में एक चरण में होगी वोटिंग

जम्मू-कश्मीर में 18, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को वोटिंग

हरियाणा की सभी सीटों पर 1 अक्टूबर को वोटिंग,नतीजे 4 को

● चुनाव से पहले जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर फेरबदल

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के विधानसभा चुनावों का ऐलान कर दिया। जम्मू-कश्मीर में 3 फेज,18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। हरियाणा में एक फेज 1 अक्टूबर को मतदान होगा। दोनों राज्यों में नतीजे 4 अक्टूबर को आएंगे। चीफ इलेक्शन कमिश्नर राजीव कुमार ने कहा, श्री जेंटलमेन आर बैक। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए। देशभर ने चुनाव का पर्व मनाया। लंबी कतारें दिखीं, बुजुर्ग, यूथ वोट डालने गए। लोकतंत्र का जीवित उदाहरण देश ने देखा। जो तस्वीर भारत ने दुनिया को दिखाई, वो चकित करने वाली थीं। जो चमक हमने देखी, वो बहुत दिन तक दिखाई देगी। जब भी कहीं दुनिया में चुनाव होंगे, आपको अपने देश की याद आएगी और हमारी ताकत की याद दिलाती रहेगी। उन्होंने कहा,जम्मू-कश्मीर में हमने जिनसे, राजनीतिक दलों से बात की, सबका मत था कि जल्द से जल्द चुनाव हों। आपको याद है कि जो लंबी कतारें लगी थीं, वो जम्हूरियत की ताकत थी।

से गृह जिलों में तैनात अधिकारियों का तबादला करने को कहा था। गुरुवार देर रात सामान्य प्रशासन विभाग ने तत्काल प्रभाव से 89 तबादलों का आदेश जारी किया। इनमें पुंछ और बांदीपोरा जिलों के डिप्टी कमिश्नर, सचिव, कमिश्नर, महानिदेशक, प्रबंध निदेशक और कई विभागों के निदेशक शामिल हैं। इस ट्रांसफर प्रोसेस का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी अधिकारी अपने होम डिस्ट्रिक्ट में तैनात न रहे। साथ ही उसे किसी एक पद पर 2 साल से ज्यादा समय न बीता हो।

डॉक्टर व्यास को 2024 लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

इंदौर। स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजन में कैप्टन जगन्नाथ प्रसाद के हाथों वैश्विक शिक्षाविद डॉ.तेज प्रकाश पूर्णानंद व्यास को राष्ट्रभक्ति एवं अंतरराष्ट्रीय जैव वैज्ञानिक के रूप में उनकी अप्रतिम उपलब्धियों पर लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड 2024 एवं सारस्वत सम्मान किया गया। आपका सम्मान 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध के जांबाज कैप्टन जगन्नाथ प्रसाद कर कर कमलों द्वारा किया गया। सम्मानित करने में कैप्टन के साथ भरत बजाज एवं अध्यक्ष अनुभव जैन भी साथ थे । डॉ. तेज प्रकाश व्यास 2011 में शासकीय राजा भोज स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य पद पर रहते हुए मध्य प्रदेश के 22 जिलों के 5400 युवाओं की भारतीय वायु सेना में भर्ती के लिए भारतीय वायु सेना रैली का आयोजन किया गया था । इसमें 235 युवाओं का भारतीय वायु सेना में चयन हुआ एवम भारतीय वायु सेना में पद स्थापना हुई थी। डॉ.व्यास अंतरराष्ट्रीय जैव वैज्ञानिक और एंटी एजिंग जीवविज्ञानी भी हैं। आप अपनी सारी सेवाओं को निःशुल्क निष्पादित करते हैं।

मप्र में निकाय अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के खिलाफ अब तीन वर्ष के पहले नहीं लाया जा सकेगा अविश्वास प्रस्ताव

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में अब नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के विरुद्ध तीन वर्ष के पहले अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया जा सकेगा। अविश्वास प्रस्ताव लाने की अवधि बढ़ाने पर दोनों प्रमुख दलों भाजपा व कांग्रेस में सहमति बनने के बाद नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने तैयारी कर ली है। अध्यादेश के माध्यम से नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 43 क में संशोधन किया जाएगा। वहीं, अविश्वास प्रस्ताव दो तिहाई पार्षदों के स्थान पर तीन चौथाई पार्षदों के हस्ताक्षर से प्रस्तुत करने संबंधी प्रस्तावित प्रविधान को वरिष्ठ सचिव समिति ने अस्वीकार कर दिया गया।

निकाय चुनाव के दो साल पूरे- प्रदेश में जुलाई-अगस्त 2022 में नगरीय निकायों के चुनाव हुए थे। इस बार नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्ष का चुनाव जनता से सीधे न कराकर पार्षदों के माध्यम से कराया गया। अधिनियम में प्रविधान है कि यदि पार्षदों को अध्यक्ष-उपाध्यक्ष पर विश्वास नहीं है तो वे अविश्वास प्रस्ताव ला सकते हैं।

महाराष्ट्र में चुनाव से पहले हो सीएम फेस का ऐलान

उद्धव बोले-पवार साहब और कांग्रेस जिसका नाम तय करेंगे,उसका समर्थन करूंगा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा- चुनाव से पहले सीएम फेस का ऐलान होना चाहिए। पवार साहब और कांग्रेस नेता पृथ्वीराज जिसे भी सीएम बनाएंगे, मैं उनका समर्थन करूंगा। मुंबई में महाविकास अघाड़ी की मीटिंग में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उद्धव ने कहा कि मैं अधिकतम विधायकों वाली पार्टी को मुख्यमंत्री पद मिलने के फॉर्मूले का समर्थन नहीं करता। महाराष्ट्र सरकार बहनों को 1500 रुपए देने का ऐलान कर रही है, लेकिन इनकी योजनाओं का प्रचार करने के लिए 10 हजार रुपए खर्च कर रही है। सरकार गिराने के लिए 50 खोखे और लड़की बहन को 1500 रुपए। दरअसल, महाराष्ट्र में अक्टूबर में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। इसे लेकर ही एमवीए की आज मीटिंग हुई। इसमें एनसीपी शरद गुट के चीफ शरद पवार और कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण भी शामिल हुए थे। कोरोना सरकार ने हमने काफी काम किया। इसलिए मुस्लिम हमारे साथ आए। मुस्लिम के मन मे भय था, लेकिन मैंने उस वक्त कहा था कि देश को जो प्रेम करेगा उसे जाने नही दूंगा, इसलिए मुस्लिम साथ आए। मोदी नीतिश और चंद्रबाबू नायडू के साथ बैठते हैं, तो क्या अब मान लिया जाए कि उन्होंने हिंदुत्व छोड़ दिया है। वक्फ बोर्ड ही नहीं, हिंदुओ के मंदिर के मामले में भी जांच होनी चाहिए।

आजकल कन्नौज हेडलाइन में, बीजेपी वाले मिले हुए हैं

नवाब सिंह यादव पर पहली बार बोले अखिलेश यादव

कन्नौज/लखनऊ (एजेंसी)। कन्नौज में पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव की गिरफ्तारी के बाद सत्तारूढ़ बीजेपी और विपक्ष सपा के बीच वार-पलटवार का दौर चल रहा है। एक ओर बीजेपी नवाब सिंह को सपा नेता करार दे रही है, वहीं सपा ने पल्ला झाड़ दिया है। सपा का कहना है कि पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण नवाब सिंह यादव को सपा से निकाला जा चुका है। नवाब सिंह यादव पर नौकरी दिलाने के नाम पर 15 साल की लड़की से दुष्कर्म का आरोप लगा है। इस पूरे मामले में पहली बार सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपना मुंह खोला है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस का इंदौर में विरोध

एमवायएच में जूनियर डॉक्टरों ने काम बंद कर किया प्रदर्शन

शनिवार को सभी निजी-सरकारी ओपीडी बंद रहेगी

इंदौर (एजेंसी)। कोलकाता डॉक्टर रेप-मर्डर केस को लेकर इंदौर के जूनियर डॉक्टरों में आक्रोश है। जूडॉ ने शुक्रवार सुबह एमवाय अस्पताल के मेन गेट पर प्रदर्शन कर नारेबाजी की। छात्र-छात्राओं ने हत्यारों को फांसी दो, वी वांट जस्टिस, प. बंगाल की सीएम ममता बनर्जी हाय-हाय के नारे लगाए। ईएसआई हॉस्पिटल के बाहर में भी जूनियर डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया। जूडा अध्यक्ष डॉ. नयन जैन ने बताया कि यहां 700 से ज्यादा जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर हैं। जूनियर डॉक्टर रुटिन काम नहीं कर रहे हैं। हमें सीनियर रेजीडेंट डॉक्टरों का भी समर्थन है। कलेक्टर आशीषसिंह ने कहा कि मरीजों को इमरजेंसी सेवाओं और ओपीडी में तकलीफ न हो इसके लिए इंतजाम किए गए हैं। जूनियर डॉक्टर्स और आईएमए ने एमवाय अस्पताल के गेट के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। दोपहर 2 बजे तक इमरजेंसी केस ही देखेंगे। शाम 7 बजे कैंडल मार्च निकालेंगे। बता दें सोमवार से एमजीएम मेडिकल कॉलेज और एमवायएच के डॉक्टर सिर्फ इमरजेंसी केस में इलाज कर रहे हैं। बुधवार शाम को मांगों पर कार्रवाई के आश्वासन पर जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल से लौटने पर सहमति जताई थी।

जूनियर डॉक्टरों ने एमवाय अस्पताल के गेट पर प्रदर्शन किया। लेकिन बुधवार रात कोलकाता में प्रदर्शन कर रहे चिकित्सकों के साथ हुई हिंसा के बाद अब आंदोलन और तेज हो गया। देर रात प्रदर्शनकारियों के साथ हुई हिंसा के बाद इंदौर में मध्य प्रदेश जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन ने गुरुवार को एमजीएम डीन को मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्र के नाम ज्ञापन सौंप कर सभी रूटीन चिकित्सा कार्य बंद करने का ऐलान किया है। मध्य प्रदेश में जूनियर डॉक्टर द्वारा केवल इमरजेंसी सेवाएं दी जाएंगी। आरोपियों पर कार्रवाई नहीं होने पर अग्र आंदोलन करने की बात कही है। जिला चिकित्सालय इंदौर के डॉक्टर्स और स्टाफ ने काली पट्टी बाँध कर विरोध प्रदर्शन किया।

दूसरी ओर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने पत्र लिखकर सभी सभी निजी और सरकारी अस्पतालों में ओपीडी बंद रखी जाएगी। केंद्रीय आईएमए के बाद आईएमए की मप्र ब्रांच ने प्रदेश के सभी जिलों के आईएमए को इस संबंध में पत्र जारी किया है।दूसरी ओर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने पत्र लिखकर सभी सभी निजी और सरकारी अस्पतालों में ओपीडी बंद रखी जाएगी। केंद्रीय आईएमए के बाद आईएमए की मप्र ब्रांच ने प्रदेश के सभी जिलों के आईएमए को इस संबंध में पत्र जारी किया है।

मप्र नर्सिंग होम एसोसिएशन भी समर्थन में उतरा

डॉक्टरों द्वारा शनिवार को की जा रही हड़ताल के समर्थन में मप्र नर्सिंग होम एसोसिएशन (एमपी एनएचए) भी उतर आया है। अध्यक्ष डॉ. सुनील बाँठिया और सचिव डॉ. सुनील बारोड ने बताया कि हम कोलकाता सरकार से आग्रह करते हैं कि वे न्याय प्रदान करें और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाएँ। स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इस पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता ! देशभर के चिकित्सा समुदाय के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करता है और 17 अगस्त 2024, शनिवार को निर्धारित हड़ताल का पूर्ण समर्थन करता है। इस दिन सभी चिकित्सा सेवाएँ सुबह 6 बजे से अगले दिन सुबह 6 बजे तक बंद रहेंगी।

छात्राओं को निर्वस्त्र कर चेकिंग करने वाली टीचर पर केस

हाई कोर्ट के नोटिस के बाद एक्शन; मोबाइल के शक में उतारी गई थी यूनिफॉर्म

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में सरकारी स्कूल में छात्राओं को निर्वस्त्र करके चेकिंग का मामला तूल पकड़ गया है। हाई कोर्ट नोटिस के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। मामले में प्रशासन ने जांच बैठाई थी लेकिन परिजन एफआईआर की मांग पर अड़े हुए थे। इसी आधार पर जनहित याचिका भी हाई कोर्ट में दायर की गई, उसका जवाब देने से पहले आरोपी महिला टीचर पर प्रकरण दर्ज कर लिया गया। घटना शारदा कन्या स्कूल की है। आरोप लगा था कि छात्राओं की यूनिफॉर्म हटाकर निर्वस्त्र कर चेकिंग की गई। इस मामले में पांच छात्राओं के साथ घटना होने का दावा किया गया। मामला सामने आने के बाद जांच बैठाई गई। कमेटी ने रिपोर्ट दी कि शिक्षिका ने गंभीर मानसिक उत्पीड़न किया है। बालिकाओं का अपमान कर उन्हें मानसिक ठेस पहुंचाई है। बुधवार को यह रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी गई थी। गुरुवार रात आरोपी महिला शिक्षक जया पंवार निवासी वैशाली नगर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

कलेक्टर बोले- जांच पूरी हो गई है- कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि छात्राओं का मानसिक उत्पीड़न किया गया है। हाईकोर्ट में जनहित याचिका पर कोर्ट ने प्रशासन से इसमें जवाब मांगा था। जांच पूरी हो गई है।

हाई कोर्ट तक पहुंचा है मामला

आरोप लगने के बाद शिक्षिका को स्कूल से हटाकर शिक्षा विभाग में अटैच कर दिया गया था। पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई संतोषजनक नहीं होने पर चिन्मय मिश्रा नामक शख्स ने सरकार के खिलाफ जनहित याचिका इंदौर हाईकोर्ट में दायर की थी। कोर्ट ने सात दिन में जवाब मांगा था। इसके बाद एक जांच दल भी स्कूल पहुंचा। उसने छात्राओं के साथ शिक्षिका, प्रिंसिपल सहित अन्य स्टाफ के बयान लिए गए। मंगलवार तक जांच रिपोर्ट आनी थी जो बुधवार को सौंपी गई।एडवोकेट अभिनव धनोड़कर ने बताया कि 9 अगस्त को हाईकोर्ट से नोटिस जारी हुए थे। 16 अगस्त तक शासन को जवाब पेश करने के लिए कहा था। शुक्रवार दोपहर 1 बजे तक जवाब पेश नहीं हुआ।

टीचर बोली- खुद को बचाने झूठा आरोप लगाया

टीचर जया पंवार ने कहा- एक छात्रा के पास मोबाइल मिल गया था। खुद को बचाने के चक्कर में मुझ पर आरोप लगाए गए हैं। मैंने साधारण रूप से छात्राओं की चेकिंग की। निर्वस्त्र कर चेकिंग करने जैसी बात ही नहीं है। अनुशासन व्यवस्था देखने वाले सर दूसरे स्कूल गए थे इसलिए जांच करने उनकी जगह मुझे भेजा गया था। पहले मनीषा मैडम ने छात्राओं की चेकिंग की थी। उन्हें दो रिंगटोन सुनाई दी थी। मनीषा मैडम को एक छात्रा के पास से जो मोबाइल मिला था, वो की-पेड वाला था। छात्रा से मोबाइल के बारे में पूछा। कॉल डिटेल चेक की तो सैंडी नाम दिखाई दिया।

इंदौर में महिला से चेन स्नैचिंग

बेटी के साथ खजराना जा रही थी, रास्ते में चेन झपट कर भागे बाइक सवार

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के अन्नपूर्णा में बाइक सवार बदमाशों ने एक महिला की सोने की चेन लूट ली। वह अपनी बेटी के साथ खजराना दर्शन करने के लिए निकली थी। इस दौरान आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस आसपास के फुटेज की मदद से आरोपियों की तलाश कर रही है। अन्नपूर्णा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक गायत्री देवी माहेश्वरी, निवासी सुदामा नगर-डी सेक्टर की शिकायत पर पुलिस ने बाइक सवार दो बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज किया है। गायत्री देवी ने बताया कि वह सुबह बेटी श्वेता के साथ पैदल घर से फूटी कोठी की तरफ जा रही थी। वह शर्मा डेयरी के पास पहुंची तो वहां बाइक सवार दो बदमाश आए। उसमें से एक ने पीछे से गले पर झपट्टा मारा और सोने की चेन लेकर भाग गए। उन्हें पकड़ने के लिए आवाज लगाई। लेकिन सुबह का समय होने से सड़क पर कम ही लोग थे। पीड़िता ने बताया कि जल्दबाजी में वह बाइक का नंबर नहीं देख पाई। उनके मुताबिक आरोपी के सामने आने पर उनकी पहचान कर लेगी।

इंदौर में अब तक सिर्फ 17 इंच बारिश

पिछले साल के मुकाबले अब तक 6 इंच कम बरसा पानी, 19 अगस्त के बाद झमाझम के आसार

इंदौर (एजेंसी)। अगस्त का आधा माह बीत चुका है, लेकिन इंदौर में इस बार झमाझम बारिश वाला मौसम नहीं बना। हालांकि पिछले साल 15 अगस्त तक के सवा इंच बारिश हुई थी। इस बार ढाई इंच से ज्यादा बारिश हुई है। लेकिन फिर भी अगस्त सूखा ही है। इस सीजन अब तक 17 इंच बारिश ही हुई है, जबकि पिछले साल इस दौरान 23.3 इंच बारिश हुई थी। यानी इस बार 6 इंच कम बारिश हुई है। 19 अगस्त के बाद मौसम में बदलाव के संकेत हैं। इस दौरान इंदौर सहित कई जिलों में अच्छी बारिश के आसार हैं।इस बार जून में 4 इंच और जुलाई में 10 इंच बारिश हुई थी। जुलाई में ठीक बारिश होने के कारण किसानों को अभी चिंता नहीं है। अगर अगस्त के बचे दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो फिर चिंता हो सकती है। अगस्त माह की बारिश का औसतन कोटा 13 इंच का है। दरअसल इस बार 15 दिनों में अलग-अलग दौर में प्रदेश के दूसरे शहरों में अच्छी बारिश हुई, लेकिन इंदौर संभाग में झड़ी वाली बारिश नहीं हुई है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के मुताबिक नॉर्थ-वेस्ट राजस्थान में साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम है। यहीं से मानसून ट्रफ एमपी के सीधी होकर बंगाल की खाड़ी तक जा रही है। इसके साथ अन्य साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी एक्टिव है। इस वजह से प्रदेश में कहीं तेज, तो कहीं हल्की बारिश हो रही है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. बीएस यादव के मुताबिक पिछले 24 घंटों पूर्वी मप्र में अच्छी बारिश हुई है। 19 अगस्त से सिस्टम बदलेगा और इंदौर संभाग सहित अधिकांश जिलों में अच्छी बारिश के आसार हैं।

छत से नीचे फेंका, सिर फटने से युवक की मौत

घटना के 4 साल बाद आया फैसला, कोर्ट ने आरोपियों को सुनाई उम्र कैद की सजा

इंदौर (एजेंसी)। छत पर शराब पीने से रोकने पर आरोपियों का विवाद हुआ। गुस्से में आरोपी ने युवक को छत से नीचे आंगन में फेंक दिया। सिर फटने से युवक की मौत हो गई। मामले में चार साल बाद कोर्ट का फैसला आया है। कोर्ट ने दो आरोपियों को उम्र कैद की सजा सुनाई है। केस में शासन की तरफ से पक्ष विशेष लोक अभियोजक आनंद नेमा ने रखा।

यह है मामला- 26 जुलाई 2020 को एमवाय अस्पताल में पुलिस को लक्की उर्फ अमन ने घटना की जानकारी दी। उसने बताया कि शाम करीब 6:30 बजे सोनू उसके घर मेन रोड ग्राम पंचायत के पीछे गुजरखेड़ा महू पर आया था। वह काम खत्म कर ऊपर छत पर बैठने चला गया। दोनों छत पर पीछे किनारे की तरफ बैठे थे। छत की ऊंचाई जमीन से करीब 20-22 फीट है। उसी समय छत पर किराएदार धन्नालाल, उसका साला मंगेश और अर्जुन आए और बैठकर शराब पीने लगे। तीनों को शराब पीने से मना किया तो आरोपी झगड़ा करने लगे। सोनू ने शराब पीने से मना किया तो आरोपी मंगेश बोला मेरी बहन का घर है। मैं तो यहां आऊंगा तू कौन होता है। इसके बाद मंगेश गाली देने लगा और सोनू को छत से नीचे धक्का दे दिया। सोनू नीचे आंगन में गिरा। मंगेश ने फरियादी लक्की को भी धक्का दिया, लेकिन वो बच गया।

मंत्री विजयवर्गीय बोले- खटमलों-मच्छरों को कब अकल आएगी

पूर्व मंत्री वर्मा के भारत में बांग्लादेश जैसे हालात हो जाएंगे वाले बयान पर कहा- ये शेर-शेरनियों का देश

इंदौर (एजेंसी)। मंत्री कैलाश कैलाश विजयवर्गीय ने नाम लिए बिना कहा कि खटमल, मच्छर ये बोलते हैं कि भारत में बांग्लादेश जैसे हालात हो जाएंगे। यहां शेर-शेरनियों बैठी हुई हैं। ये शेर-शेरनियों का देश है। खटमल और मच्छरों को कब अकल आएगी पता नहीं। विजयवर्गीय ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर पाटनीपुरा चौराहा पर आयोजित देश भक्ति के कार्यक्रम में यह बात कही। इसका वीडियो अब सामने आया है। बता दें, नगर निगम के घेराव के वक्त पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा था कि देश में भी बांग्लादेश जैसे हालात हो सकते हैं। मंत्री विजयवर्गीय के बयान को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है।

दरअसल वे बुधवार को देशभक्ति के गीत गाकर लोगों में जोश भर रहे थे। इस दौरान उन्होंने भारत माता की जय के नारे लगवाए। विजयवर्गीय ने कहा कि बताओ इतनी बुलंद आवाज है और खटमल और मच्छर ये बोलते हैं कि भारत में बांग्लादेश जैसे हालात हो जाएंगे। यहां ये शेर और शेरनियों बैठी हुई हैं। यहां क्या बांग्लादेश जैसी हालत हो सकती है? इन खटमलों और मच्छरों को अकल कौन देगा पता नहीं।

तिरंगा लगाने में हाईटेंशन लाइन से झुलसा जज का बेटा

निजी अस्पताल में भर्ती, बिजली कंपनी के कर्मचारियों पर केस

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से पंढरीनाथ निवासी 10 साल का मासूम झुलस गया। वह अपने दादा-दादी के यहां आया हुआ था। बताया जाता है कि वह खिड़की में गुरुवार को तिरंगा झंडा लगा रहा था। इस दौरान वह नजदीक से जा रही हाईटेंशन लाइन से झुलस गया। उसे तत्काल निजी अस्पताल ले जाया गया। यहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बिजली कंपनी लाईन मैन और संबंधित मीटर रीडर पर केस दर्ज किया है।

बताया जाता है कि बच्चे के दादा पूर्व में भी इस मामले में शिकायत कर चुके थे। पंढरीनाथ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 10 साल का बच्चा मोहम्मद अरशान देहलवी हाई टेंशन लाइन की चपेट में आने से झुलस गया। वह अपने दादा युसूफ देहलवी के घर पर तिरंगा झंडा लगा रहा था। पिता असलम देहलवी सनावद में जज हैं। उन्होंने बताया कि मां रजिया का स्वास्थ्य ठीक नहीं था। इसलिए वे परिवार के साथ इंदौर आए थे। उनके घर की दूसरी मंजिल के सामने से बिजली की लाइन डाली गई है। जो गैलरी से 5 फीट की दूरी पर है। इसे बिजली कंपनी ने प्लास्टिक पाईप से कवर नहीं किया है।

इसे लेकर उनके पिता ने कई बार सुभाष चौक जोन के अफसर अंकुर गोयल से शिकायत कर चुके हैं। वहीं मीटर रीडिंग वाले कर्मचरी को भी कहा। लेकिन किसी ने शिकायत पर ध्यान नहीं दिया।

15 अगस्त की शाम को बेटा अरशान दूसरी मंजिल की गैलरी में तिरंगा लगा रहा था। तब वह लाइन की चपेट में आ गया और उसे करंट का झटका लगा। इससे उसके दोनों हाथ और पेट जल गए। उसकी आवाज सुनकर चाचा और मामू का बेटा वहां पहुंचे। इसके बाद अरशान को निजी अस्पताल ले गए। यहां आईसीयू में उसका उपचार चल रहा है। बच्चे के पिता असलम ने बिजली कंपनी के अफसरों पर जान बूझकर लापरवाही का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इंदौर में बना 25 करोड़ का रोबोट, करेगा बॉर्डर पेट्रोलिंग

शहर के युवाओं का स्टार्टअप नक्सली-आतंकी मूवमेंट रोकने बना रहा 'इनविजिबल दीवार'

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के युवा डिफेंस सेक्टर में भी स्टार्टअप ला रहे हैं। बॉर्डर पर पेट्रोलिंग के लिए रोबोट डिजाइन करने के साथ ही लेजर फेंस बनाने का काम भी किया जा रहा है। एक रोबोट बनाने पर तकरीबन 25 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। अगले दो साल में हथियारों से लैस यह रोबोट बनकर तैयार हो जाएगा।इंदौर के वेदांत अग्रवाल ने 1 अप्रैल 2023 को दोस्तों के साथ मिलकर आईटी पार्क सिंहासा में अविन्य मिलटेक कंपनी शुरू की है। वेदांत की कंपनी लेजर फेंस बना रही है। ये लेजर बीम की इनविजिबल दीवार होती है। संबंधित एरिया से जब कोई गुजरता है तो अलार्म बजने लगता है। नक्सल और आतंकी गतिविधियों की रोकथाम के लिए यह बहुत उपयोगी है।

इसके अलावा कंपनी जो सबसे खास प्रोडक्ट बना रही है, वो है बॉर्डर पेट्रोलिंग के लिए रोबोट। इसकी डिजाइन फाइनल हो गई है। बॉर्डर एरिया सहित ऐसी जगह जहां ज्यादा खतरा होता है, वहां सैनिक की जगह रोबोट को भेजा जा सकेगा। रोबोट हथियार से लैस होगा और रिमोट के जरिए ऑपरेट होगा। 1 रोबोट बनाने में करीब 25 करोड़ का खर्च आएगा। अगले 2 साल में ये रोबोट बनकर तैयार हो जाएगा।

इंटर्नशिप के दौरान आया स्टार्टअप शुरू करने का आइडिया

वेदांत अग्रवाल ने 2021 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। इंदौर में ही लाइट गाइड ऑप्टिक्स प्रा.लि में इंटर्नशिप की। यहीं पर उन्हें जॉब भी ऑफर हो गई। लाइट गाइड कंपनी डिफेंस सेक्टर में सालों से काम कर रही है। वेदांत को भी यही से डिफेंस सेक्टर में स्टार्टअप शुरू करने का आइडिया आया।

बाइक सवार युवक-युवती ने मारे चाकू

कार से टक्कर लगने की बात पर घेरकर किया हमला, कार फोड़ी

इंदौर(एजेंसी)। इंदौर के भंवरकुआ इलाके में बाइक सवार युवक-युवती ने एक कार सवार पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में युवक को गंभीर चोटें आई हैं। उसका निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। बताया जाता है कि आरोपियों ने युवक की कार भी फोड़ दी। घटना गुरुवार रात की है। इस मामले में पुलिस ने दो युवती सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हमला करने वालो में दो युवतियां पूर्व में मुकेरीपुरा मस्जिदकांड में बम फेंकने में शामिल रह चुकी है। इनके सीसीटीवी सामने आने पर पहचान होने पर इनहें दबोच लिया गया। भंवरकुआ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मयंक पुत्र श्याम बजाज निवासी गायत्री अपार्टमेंट वीर सावरकर नगर की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार तीन लड़के और लड़कियों पर चाकूबाजी, जानलेवा हमले और कार में तोड़फोड़ की धाराओं में केस दर्ज किया है।

इस मामले में पुलिस ने अब्बास,शानू उर्फ रिजवान उनके एक अन्य साथी ओर दो युवतियों को पकड़ा है। भंवरकुआ पुलिस के जवान कपिल ओर संदीप ने इन्हें रात में ही पहचान होने पर दबोच लिया था।मयंक ने बताया कि 15 अगस्त की रात करीब 12.30 बजे वह अपनी कार से चोइथराम चौराहे से पेट्रोल भरवाकर सोलारिस होटल की तरफ जा रहे थे। तभी बाइक पर सवार एक युवक ओर युवती आए। उन्होंने बाइक से कार को टक्कर मारी। मैंने उन्हें कहा कि देखकर चलाया करो।

वक्फ बोर्ड जमीन को लेकर सांसद दिग्विजय सिंह को नोटिस

बीजेपी नेता ने मांगे मानहानि के 10 करोड़ रुपए, सिंह ने लेटर लिख सोशल मीडिया पर डाली थी पोस्ट

इंदौर (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह को भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा उपाध्यक्ष नासिर शाह ने मानहानि का लीगल नोटिस भेजा है। नोटिस में तीन दिन अंदर अखबारों में खेद प्रकाशित करवाने और 10 करोड़ रुपए मानहानि के एवज में देने के लिए कहा है। ऐसा नहीं करने पर कोर्ट केस की बात कही है। दिग्विजय सिंह ने वक्फ बोर्ड की जमीन पर कब्जा करने के आरोपों की जांच के लिए केन्द्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री और केन्द्रीय वक्फ परिषद के अध्यक्ष किरेन रिजिजू को लेटर लिखा है। लसूड़िया थाने में 10 अगस्त को कमेटी सचिव ने आवेदन दिया है। पूरे मामले को दिग्विजय सिंह ने फेसबुक आईडी पर भी पोस्ट किया। जांच से पहले इस तरह नाम सार्वजनिक कर मानहानि की बात नासिर शाह की तरफ से लीगल नोटिस में कही गई है। जानिए क्या है पूरा मामला।

मंत्री किरेन रिजिजू को भेजे लेटर में सिंह ने ये लिखा- पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने किरन रिजिजू को 12 अगस्त को लेटर लिखा है, जिसमें कहा है कि साजिद रोयल सचिव जिला वक्फ कमेटी इंदौर का

शिकायती पत्र संलग्न है। उन्होंने इंदौर बाइपास स्थित कोकिला बेन हॉस्पिटल और एडवांस एकेडमी से लगी मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड की 100 करोड़ रुपए की बेशकीमती जमीन पर नासिर शाह और अन्य के द्वारा बाउंडरी वॉल बना कर कब्जा करने की शिकायत की है। जमीन का केस उच्च न्यायालय में चल रहा है। कोर्ट ने स्टे देते हुए स्थिति यथावत रखने के आदेश दिए हैं। स्टे के बावजूद नासिर शाह और अन्य द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में सामाजिक तनाव की स्थिति पैदा हो रही है। मामले में निर्माण रोकने और कोर्ट की अवहेलना करने पर इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। मामले में बीजेपी के अल्पसंख्यक मोर्चे के एक पदाधिकारी द्वारा भी हस्तक्षेप कर दबाव बनाया जा रहा है। एक तरफ केंद्र सरकार वक्फ प्रॉपर्टी प्रबंधन को लेकर संसद में बिल ला रही है, वहीं उनके समर्थक कब्जा करने वालों को संरक्षण दे रहे हैं। शिकायत की वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी से जांच करवाई जाए।

नासिर शाह की तरफ से दिग्विजय सिंह को जारी नोटिस में ये लिखा

भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा उपाध्यक्ष नासिर शाह ने 14 अगस्त को दिग्विजय सिंह को लीगल नोटिस भेजा है। एडवोकेट राहुल पेठे के माध्यम से नोटिस भेजा है, जिसमें कहा है कि सूचना पत्र द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि आपके द्वारा अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री और केन्द्रीय वक्फ परिषद के अध्यक्ष किरेन रिजिजू और मप्र शासन के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को प्रेषित पत्र में नासिर शाह का नाम जिस प्रकार से उल्लेखित किया गया है और साजिद रोयल द्वारा प्रस्तुत शिकायती आवेदन पत्र की जांच पूरी होने के पहले सार्वजनिक रूप से अपने फेसबुक हैंडल पर लेटर को पोस्ट किया है। नासिर शाह और अन्य मुस्लिम नेताओं पर टिप्पणी की गई है। इसके लिए आप सार्वजनिक रूप से सूचना पत्र प्राप्ति के 3 दिन के अंदर प्रमुख समाचार पत्रों में खेद प्रकाशित करवाने के साथ-साथ नासिर शाह को उनकी सामाजिक और राजनीतिक ख्याति की मानहानि की क्षतिपूर्ति के रूप में 10 करोड़ रुपए अदा करें। वरना आपके खिलाफ कोर्ट में मानहानि का केस करेंगे। जिसके खर्च और परिणाम के लिए आप जिम्मेदार होंगे।

मोबाइल दुकान कर्मचारी ने दी जान

इंदौर (एजेंसी)। पंढ़रीनाथ इलाके में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल भेजा है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक यश (20) पुत्र चंद्रशेखर बम्बीवाल निवासी हरसिद्धि ने अपने घर में फांसी लगा ली। पुलिस ने मामला जांच में लिया है। बताया जाता है कि यश को रात करीब 10:30 बजे के लगभग घर वालो ने फंदे पर लटके हुए देखा था। यश जेल रोड मार्केट की मोबाइल दुकान पर जॉब करता है। परिवार से मिली जानकारी के मुताबिक यश के पिता ऑटो ड्राइवर हैं। वहीं भाई नगर निगम में एनजीओ में पदस्थ है। यश के सुसाइड को लेकर परिवार को कोई जानकारी नहीं है।

संपादकीय

प्रभारी मंत्री : नए समीकरण

मप्र में भाजपा की मोहन यादव सरकार बनने के नौ माह बाद और स्वतंत्रता दिवस के दो दिन पूर्व प्रदेश के 55 जिलों में प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति को भाजपा के भीतरी राजनीतिक समीकरण की रोशनी में देखा जा रहा है। हालांकि यह एक सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन परोक्ष रूप से इसके माध्यम से प्रदेश में मंत्रियों और नेताओं का कद भी तय होता है। मंत्रियों को जिलों के प्रभार के आवंटन में दो बातें बिल्कुल साफ हैं कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपना कद सबसे ऊंचा रखा है तथा राज्य में मुख्यमंत्री पद के उनके दो मुख्य प्रतिद्वंद्वियों कैलाश विजयवर्गीय तथा प्रहलाद पटेल का कद करने में कोई कोताही नहीं की है। इससे भी बढ़कर बात यह है कि राज्य में पहली बार किसी सीएम ने अपने पास किसी जिले का प्रभार रखा है। सीएम मोहन यादव ने प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर का प्रभार अपने ही पास रखा है। इसका सीधा अर्थ यह है कि अब इंदौर में सीधे सीएम की चलेगी। जबकि वहां कैलाश विजयवर्गीय को सबसे बड़ा नेता माना जाता है। कैलाश को दो कम महत्व वाले धार और सतना जिले दिए गए हैं। इसमें भी अगर औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर इंदौर जिले में चला गया तो धार में कुछ खास बचेगा नहीं। इसी प्रकार मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल को भिंड और रीवा का प्रभार दिया गया है। ये क्षेत्र क्रमशः ज्योतिरादित्य सिंधिया तथा उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के प्रभाव क्षेत्र वाले हैं। इसमें पटेल क्या कुछ कर पाएंगे, कहना मुश्किल है। उन्हें उनके प्रभाव क्षेत्र महाकोशल क्षेत्र के एक भी जिले का प्रभार नहीं दिया गया है। जबकि सिंधिया खेमे के मंत्रियों को सिंधिया के प्रभाव क्षेत्र ग्वालियर चंबल अंचल के जिलों के प्रभार दिए गए हैं। यहां तक मध्य क्षेत्र में भी शिवराज खेमे के मंत्रियों को शिवराज के प्रभाव क्षेत्र के जिले ही दिए गए हैं। इस सूची में कुल 23 वरिष्ठ मंत्रियों को 2-2 जिलों का प्रभार दिया गया, जबकि 7 को 1-1 जिले का प्रभार दिया गया है। प्रदेश की राजधानी भोपाल का प्रभार मोहन यादव के करीबी माने जाने वाले चेतन कश्यप को दिया गया है। इसका सीधा मतलब यही है कि भोपाल में भी सीएम की ही चलेगी। यादव के डिप्टी जगदीश देवड़ा को जबलपुर और देवास का जिम्मा सौंपा गया है। जबलपुर पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह का गृह जिला है। दूसरे उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला को सागर और शहडोल की जिम्मेदारी मिली है, जो गोविंद सिंह राजपूत का क्षेत्र है। कांग्रेस के दिग्गज नेता कमल नाथ के गृह जिले छिंदवाड़ा की जिम्मेदारी पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राकेश सिंह को सौंपी गई है। मुख्यमंत्री के गृह जिले उज्जैन की जिम्मेदारी राज्य मंत्री गौतम टेटवाल को दी गई है। शिवराज चौहान के कार्यकाल में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी उज्जैन के प्रभारी थे। इसी तरह उस समय दूसरे सबसे महत्वपूर्ण मंत्री नरोत्तम मिश्रा इंदौर की गतिविधियों की देखरेख करते थे। खनन क्षेत्र की ज़रूरतों के हिसाब से सिंगरौली का जिम्मा खनन मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह के पास था। भाजपा सूत्रों के अनुसार जिले के मामलों को संभालने में सत्ता के विभाजन के कारण प्रभारी मंत्री की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। न केवल हर तबादला, पोस्टिंग प्रभारी मंत्री के माध्यम से होती है, बल्कि जिले के कलेक्टर और एसपी भी मंत्री के प्रति जवाबदेह हो जाते हैं। प्रशासनिक शासन से लेकर विधायकों, सांसदों के साथ बैठक करने और पार्टी के चुनावी ग्राफ को संभालने की जिम्मेदारी तक, एक प्रभारी मंत्री एक तरह से मामलों को संभालने और हर गतिविधि का फैसला लेने में नियुक्त जिले के मुख्यमंत्री के रूप में काम करता है।

नजरिया

राजेन्द्र चौधरी

लेखक महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक (हरियाणा) में अर्थशास्त्र विभाग के सेवानिवृत प्रोफेसर हैं।

अमरीका और यूरोप में कौन बेहतर?

दुनिया भर में सम्पन्नता मापने का प्रचलित पैमाना 'सकल घरेलू उत्पाद' (जीडीपी) 'आर्थिक वृद्धि दर' से ही उपजा है, लेकिन क्या यह किसी देश की वास्तविक सम्पन्नता को उजागर कर सकता है? इसी पैमाने पर अमरीका को यूरोप से अधिक सम्पन्न माना जाता है, लेकिन क्या यह मान्यता सही है? प्रस्तुत है, इसी की पड़ताल करता राजेन्द्र चौधरी का यह लेख।-संपादक

कहा जाता है कि 2010 के बाद से अमरीकी अर्थव्यवस्था यूरोप की तुलना में दो-गुना तेज़ी से आगे बढ़ रही है और इसके लिए यूरोप में सरकारी दखलंदाजी को जिम्मेदार ठहराया जाता है। सवाल है कि क्या यूरोप के नागरिकों की स्थिति अमरीकियों से बदतर होती जा रही है? यह धारणा अपवाद नहीं हैं। आज का आर्थिक विमर्श 'आर्थिक वृद्धि दर' केन्द्रित हो गया है, हालाँकि दशकों पूर्व अर्थशास्त्री इसकी सीमाओं को रेखांकित कर चुके हैं। इस कमी को दूर करने के लिए सुख-समृद्धि के कई वैकल्पिक मापक आ गए हैं, परन्तु मुख्यधारा का विमर्श अभी भी 'आर्थिक वृद्धि दर' केन्द्रित ही बना हुआ है।

यूरोप और अमरीका के निवासियों की सुख-संतुष्टि की तुलना करने के लिए बहुत मशक्कत नहीं करनी पड़ती। दशकों से 'संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम' समय-समय पर 'मानव विकास रिपोर्ट' प्रकाशित करता आ रहा है। सन् 2023-24 की ताजा रिपोर्ट के अनुसार अमरीका प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय के आधार पर दुनिया में नौवें क्रम पर है, परन्तु 'मानव विकास सूचकांक' के आधार पर इसका स्थान गिर कर 20वां रह जाता है। यूरोप के 12 देश 'मानव विकास सूचकांक' के मामले में अमरीका से आगे हैं जिनमें से 7 देश गैर-यूरोपीय हैं।

क्या 'मानव विकास सूचकांक' महत्वपूर्ण है? किस प्रकार इन 12 यूरोपीय देशों के नागरिकों की स्थिति आर्थिक वृद्धि में अमरीका से पिछड़ने के बावजूद बेहतर है? 'मानव विकास सूचकांक' खुशहाली के तीन पक्षों पर आधारित होता है - लम्बी एवं स्वस्थ जीवन की संभावना, निवासियों की ज्ञान तक पहुँच एवं उनका (भौतिक) जीवन स्तर। समान महत्व के इन तीन पक्षों का मूल्यांकन निम्न मापदंडों पर आधारित होता है : जीवन प्रत्याशा, शिक्षा प्राप्ति की अपेक्षित अवधि एवं 25 वर्ष से अधिक उम्र के निवासियों की शिक्षा अर्जन की अवधि तथा प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय। यानी 'मानव विकास सूचकांक' में प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय भी शामिल है, उसकी अनदेखी नहीं की गई है, परन्तु उसे ही खुशहाली का एक मात्र पैमाना नहीं माना गया है।

'मानव विकास सूचकांक' में अमरीका का पिछड़ना स्पष्ट तौर पर इंगित करता है कि इन तीन महत्वपूर्ण पक्षों के समग्र मूल्यांकन में अमरीकी यूरोप के 12 देशों से पीछे हैं। उदाहरण के तौर पर अमरीका में जीवन प्रत्याशा 78.2 साल है, यानि आज जन्मा अमरीकी बच्चा औसतन 78.2 साल तक जीवित रहेगा। यूरोप के सभी देशों में जन्मे बच्चे इससे अधिक आयु पाएंगे। यूरोप में जीवन प्रत्याशा 84.7 वर्ष है।

यानि अमरीकी बच्चा यूरोप में जन्मे बच्चे से 6.5 वर्ष कम आयु पायेगा। अमरीकी बच्चे को 16.4 वर्षों की शिक्षा मिलने की आशा है, जबकि यूरोप के 11 देशों में बच्चों को इससे लम्बी शिक्षा मिलेगी, अधिकतम 19.2 वर्षों तक। यूरोप के बच्चों को अमरीकी बच्चों से 2.8 वर्ष अधिक शिक्षा मिल सकती है।

बढ़ती आर्थिक वृद्धि के दौर में अमरीका के मानव विकास में कितना सुधार हुआ है? वह यूरोप से पिछड़ रहा है या उसको पकड़ रहा है? अमरीका के 'मानव विकास मूल्य' में वृद्धि तो हुई है, परन्तु वृद्धि की दर यूरोप के 12 देशों से कम रही है; आयरलैंड के 'मानव विकास मूल्य' में अमरीका के 'मानव विकास मूल्य' की वृद्धि दर से 4 गुना ज़्यादा तेज़ी से वृद्धि हुई है। इसके चलते 2015 से 2022 के बीच अमरीका 'मानव विकास सूचकांक' में 5 स्थान नीचे आया है। संभवतः यूरोप की सरकारों की दखलंदाज़ी, जिसे यूरोप की आर्थिक वृद्धि की धीमी गति का कारण माना गया है, यूरोप के नागरिकों के लिए शुभ रही हो !

अगर 'मानव विकास सूचकांक' की असमानता को देखा जाए, तो अमरीका न केवल यूरोपीय देशों, बल्कि तुर्की और कुछ लैटिन अमरीकी देशों को छोड़कर, दुनिया भर के उच्च 'मानव विकास सूचकांक' वाले सभी देशों से अधिक अ-समान राष्ट्र है। सबसे अमीर 1 प्रतिशत अमरीकी अमरीका की राष्ट्रीय आय का 19 प्रतिशत प्राप्त कर रहे हैं, जबकि सबसे गरीब 40 प्रतिशत अमरीकियों को राष्ट्रीय आय का मात्र 16.6 प्रतिशत मिल रहा है। यह कोई हैरानी की बात नहीं है कि अमरीका में 'मातृ-मृत्युदर' (यानी प्रति 100,000 जीवित नवजातों पर, गर्भावस्था से संबंधित कारणों से होने वाली महिलाओं की मौतों की दर) यूरोप के उच्चतर 'मानव विकास सूचकांक' वाले 12 देशों से 10 गुना अधिक थी। इन सभी 12 देशों में महिलाओं की विधायिका में भागीदारी भी अमरीका से अधिक थी।

अमरीका न केवल अपने नागरिकों की देखभाल में कई यूरोपीय देशों से पिछड़ रहा है, बल्कि इन देशों की तुलना में पृथ्वी को अधिक नुकसान भी पहुंचा रहा है। अमरीका 12 यूरोपीय देशों की तुलना में प्रति व्यक्ति अधिक कार्बन-डाइऑक्साइड पैदा करता है। यह 7 यूरोपीय देशों की तुलना में प्रति व्यक्ति अधिक भौतिक प्राकृतिक संसाधनों (जो घरेलू मांग को पूरा करने के लिए उपयोग किए जाने वाले जैव-संसाधन, जीवाश्म-ईंधन, धातु-अयस्क और अधातु अयस्क का योग है) का प्रयोग भी कर रहा है। लक्जमबर्ग को छोड़कर अमरीका सभी यूरोपीय देशों की तुलना में पृथ्वी के संसाधनों का सबसे अधिक दोहन कर रहा है। यदि पृथ्वी के संसाधनों के दोहन को देखें तो अमरीका का 'मानव विकास सूचकांक' में स्थान 20वें स्थान से गिर कर 50वां हो जाएगा। स्पष्टतः अमरीकी आर्थिक वृद्धि का बोझ पूरी दुनिया पर पड़ रहा है।

तो क्या अमरीकी यूरोपवासियों से अधिक खुश हैं? इसके लिए हमें 'विश्व खुशहाली रिपोर्ट' (वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट) देखना होगा जिसे 'ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय' के 'वेलबीइंग रिसर्च सेंटर' द्वारा 'संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क' एवं अन्य संस्थानों के साथ मिलकर निकाला जाता है। इस रिपोर्ट में राष्ट्रों की खुशी का मूल्यांकन मुख्य रूप से 'गैलप' संस्था द्वारा दुनिया भर में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर किया जाता है। ताजा 'विश्व खुशहाली रिपोर्ट' के अनुसार अमरीका ऊपर से 23वें क्रम पर था और यूरोप के 15 देश उससे ऊपर थे, यानी 15 यूरोपीय देशों के निवासी अमरीकी लोगों से अधिक खुश थे। सन् 2006-10 से 2021-23 के बीच अमेरिका के 'खुशी मूल्य' में 0.545 अंकों की गिरावट आई है। यानी वर्ष-दर-वर्ष अमेरिकी कम खुश महसूस कर रहे हैं। इसके विपरीत, इस अवधि में, 28 यूरोपीय देशों के 'खुशी मूल्य' में सुधार हुआ था।

वास्तव में जब अमरीकी अर्थव्यवस्था यूरोप से दो गुनी तेजी से बढ़ रही थी और अमरीकियों की खुशी कम हो रही थी, उसी दौर में दुनिया भर के 119 देशों के खुशी स्कोर में सुधार हुआ था या इसमें गिरावट अमेरिका की तुलना में कम थी। जाहिर है, केवल अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर या उसके आकार के आधार पर किसी अर्थव्यवस्था का मूल्यांकन ठीक नहीं है। किसी देश और अर्थव्यवस्था के समग्र मूल्यांकन के लिए अन्य पक्षों की पड़ताल भी की जानी चाहिए। इससे यह भी साबित होता है कि सरकार और समाज का अर्थव्यवस्था में दखल हमेशा हानिकारक नहीं होता।

यह बात केवल अमरीका और यूरोप पर ही लागू नहीं होती, भारत पर भी लागू होती है। अब जबकि यह दावा किया जा रहा है कि भारत शीघ्र ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा, यह याद रखना चाहिए कि भारत 'मानव विकास सूचकांक' में ऊपर से 134वें क्रम पर है। श्रीलंका (78), भूटान (125) और बांग्लादेश (129) जैसे पड़ोसी देश हमसे आगे हैं। इसलिए आज जन्मा बांग्लादेशी बच्चा भारतीय बच्चे से 6 साल अधिक जीने की अपेक्षा कर सकता है, श्रीलंका का बच्चा 9 साल ज़्यादा और नेपाली बच्चा भी 2.8 साल ज़्यादा उम्र पा सकता है। स्पष्ट है कि किसी भी देश के लिए राष्ट्रीय आय एक महत्वपूर्ण सूचक है, परन्तु केवल इस पर निर्भर रहना बेवकूफी है। (सप्रेस)

भारत बांग्लादेश संबंध

विवेक रंजन श्रीवास्तव

तारों में बहती बिजली फिर जोड़ेगी दिल

भारत के सहयोग से ही बांग्लादेश को स्वतंत्रता प्राप्ति हुई थी, अतः प्राचीन पौराणिक संबंधों को विस्मृत भी करें तो भी बांग्लादेश के लिए भारत का महत्व चिर स्थाई है। देखें तो भारत के आस पास ही पर्वतीय क्षेत्रो वाले देश जैसे नेपाल, भूटान में जल विद्युत उत्पादन की विपुल संभावनायें हैं , बांग्लादेश की बिजली की खपत उनके उत्पादन से कम है, किन्तु इन छोटे राष्ट्रों के पास तकनीकी ज्ञान तथा आर्थिक कमी के चलते ये देश इन नैसर्गिक संसाधनों का दोहन नही कर पाते, भारत हमेशा से बड़े भाई की तरह पड़ोसी देशों की मदद के लिए तैयार रहता है। अफगानिस्तान से अमेरिका के हटने, श्रीलंका में तख्ता पलट पर, मालद्वीप की मदद कर भारत ने यह सिद्ध किया है। नेपाल की हर प्राकृतिक विपदा में भारत ने मुक्त मदद की है। यह तथ्य वहां की अराजक भीड़ को समझानी पड़ेगी।

इंटरनेट और बिजली सारी दुनिया को एकाकार करने में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। सस्ते लेबर के चलते बांग्लादेश बड़ा निर्माण हब है। मैने लंदन, दुबई और अमेरिका तक में मेड इन बांग्लादेश कपड़े , जूट के सामान देखे हैं। एक अर्थ शास्त्र के जानकार यूनुस जी ने बांग्लादेश के मुखिया के रूप में कमान संभाल ली है। छात्रों की अराजक भ्रमित भीड़ स्वयं अपने

देश का हित नहीं समझ पा रही है, और भारत विरोधी वातावरण बना रही है। भारत ने सदा से पड़ोसी देशों नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, पाकिस्तान आदि के साथ जल व ताप बिजली उत्पादन व उच्चदाब पारेषण परियोजनाओं, तथा बिजली की ट्रेडिंग पर साझा हितो के लिये काम करने की पहल की है।

भारत बंगलादेश को जोड़ती बिजली योजनायें क्रियान्वयन में हैं । बांगलादेश के खुलना में 1320 मेगावाट की स्थापित क्षमता के ताप विद्युत गृह की स्थापना हेतु एनटीपीसी व बाग्लादेश पावर डेवलेपमेंट बोर्ड के बीच करार है। इसके सिवाय 130 किमी लंबी 400 कि वोल्ट की उच्चदाब बिजली लाइन भारत की नेशनल पावर ग्रिड तथा बाग्लादेश पावर डेवलेपमेंट बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में भारत के बेहरामपुर तथा बांगलादेश के बेहरामारा के बीच है। इसके लिये करार हो चुका है। इस लाइन का 85 किमी हिस्सा भारत में व 35 किमी हिस्सा बांगलादेश में है। बिजली के सिवाय भी भारत का ढेर सारा अनुदान बंगलादेश में चल रहा है। इन स्थितियों में बंगलादेश जितनी जल्दी भारत की मदद के हाथो को पहचान ले उतना ही दोनों देशों के व्यापक हित में है।

जीवन तो शान्ति की अपील है

दृष्टिकोण

ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

कहते हैं कि चन्द्रमा पृथ्वी का मन है। जब पूर्णिमा का चांद समुद्रों के जल को आंदोलित करके उनकी ऊंची उठती लहरों पर डोलता है तो लगता है कि जैसे पृथ्वी का मन डोल रहा है। फिर डोलता हुआ सागर शान्त हो जाता है। बिलकुल इसी तरह सबकी देह में बसा सागर भी पछाड़ें मारता है। अपने ही तट को तोड़ता है और उसे भी शान्त होना पड़ता है। बाढ़ आयी नदी भी शान्त हो जाती है। आंधियां थककर शान्त होती देखी जाती हैं।अशांति जीवन का स्थायी भाव नहीं है। पूरा जीवन शान्ति की अपील है।

कहते हैं कि सूर्य पृथ्वी की आत्मा है। जीवन पर उजली-शान्त धूप छाई हुई है। कई तरह की हवाओं में उड़ती धूल इस उजली धूप को मैला भी करती है। आंखों में फैले उज्ज्वल आकाश को धुन्ध से भरती है। जीवन में बसी आग को कामनाओं की बयारें उकसाती ही रहती हैं। पर आग में भड़ककर शान्त हो जाने का गुण भी तो है। अचानक घिर आये बादल छंट ही जाते हैं और शान्त-नीले आकाश में दूज का चांद दीखता है।

पूरे जीवन पर छाया नील-नीरव आकाश शान्ति की अपील कर रहा है। राज-काज-समाज बदलते रहते हैं पर सृष्टि अपने धीरज को नहीं खोती। इस धीरज के विपरीत जीवन को ढालना संभव नहीं। कहते हैं कि दैहिक, दैविक और भौतिक ताप के संतुलन से ही सबका जीवन चलता है पर हमारे शरीर, देवत्व और प्रकृति के बीच तापमान का संतुलन बिगड़ता ही चला जा रहा है। जल और औषधियां देने वाले पर्वत दरककर धंस रहे हैं। हम सबके जीने के लिए दूसरी पृथ्वी कहां से लायेंगे? हम पृथ्वी को दुहने की कला भूलकर कैसे जी पायेंगे? पृथ्वी बार-बार कांप रही है और फिर भी सबको जगह दिए रहने का अपना धीरज नहीं खो रही।

क्या वे लोग अपने बारे में अब भी नहीं सोचेंगे जिनका इस्तेमाल कुटिल राजनीतिक ताक़तों ने धरती पर आतंक के बीज बोने के लिए किया है और वे धरती पर कचरे की तरह लाशें बिखराते रहे हैं, आज भी बिखरा रहे हैं। आखिर इस हिंसा से उन्हें अब तक क्या मिला...बेबसी, भूख और कचरे की तरह धरती पर बिखरा पड़ा उन लोगों का घरबार जो सबके साथ जीना चाहते हैं।

पृथ्वी पर नदी, पेड़, पहाड़ और मनुष्य सहित सभी प्राणियों का जीवन परस्पर आश्रित है। इसे संभाले रखने के लिए बड़ी इन्सानी बिरादरी चाहिए जो आपस में मिलकर सच्ची खुदाई ख़िदमतगार होने की जिम्मेदारी निभा सके। फटे हुए मन के आकाश को रफ़ूगरों की तलाश है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रदीप मिश्र

लेखक व्यंग्यकार हैं।

..तेरे नाम...आलू बदनाम...मिल गया मुकाम

कहते हैं कि इत्र, मित्र, चित्र और चरित्र छिपते नहीं हैं। इत्र की महक, मित्र की हनक-सनक। चित्र की चहक और चरित्र की धमक होती है। उत्तर प्रदेश की इत्र नगरी कन्नौज चरित्र नगरी बनने जा रही है। यहां एक पुलिस चौकी प्रभारी ने दो भाइयों में संपत्ति विवाद निपटाने के बदले धन-दौलत, सोना-चांदी, बंगला-गाड़ी नहीं मांगा। दरोगा 'वोकल फॉर लोकल' के प्रखर पक्षधर हैं। उन्होंने वर्दी के रौब में मनमानी के बजाय इसे जीवन में उतारने की ठानी। समस्या समाधान के लिए पांच किलो आलू मांगा, जिसका ऑडियो बन गया। गली-मोहल्ले में हल्ला मच गया। कोई नहीं बच गया। विद्युत गति से कार्रवाई हुई और उन्हें निलंबित कर दिया गया। दरोगा ने इनकम टैक्स की तरह स्लैब बनाए हैं। एक से नौ हजार रुपये के सुविधा शुल्क, दक्षिणा, परोपकार राशि तक बात आलू में होती है। 10 हजार से आगे देशी घी का नाम आता है। सबको पता है कि टेढ़ी उंगली किए बगैर घी नहीं निकलता है।

बहरहाल, दरोगा ने व्यवस्था में अर्थ की महत्ता और विवशता को समझते हुए कोडवर्ड और पासवर्ड तय कर विकसित भारत की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। महंगाई के बाद भी सब्जियों के राजा आलू हर दिन पिछड़ रहा था। चर्चा में प्याज, टमाटर, भिंडी और मिर्च बाजी मार ले जाते हैं। आलू को अपनी बिरादरी में समुचित महत्व नहीं दिया गया। मुहावरे बने, गाने बने लेकिन वे चुटकुले जैसे लगे। उनमें मानवीय संवेदना का अभाव था। नासमझी का प्रभाव था। मिर्ची लगना बोलने का मतलब तन-बदन में आग लगना होता है। प्याज आंसू निकालने के काम को अंजाम देता है। टमाटर भी जब-तब लाल हो जाता है। बावजूद इसके आलू की चर्चा कीमत कम होने, सड़ने, गलने और फेंकने के अलावा किसानों द्वारा जान देने पर ही होती है। मतलब, आलू मारकेश तो है। तारकेश नहीं बन पाया। अब इसे नया नाम मिल गया है। मानो दाम, इनाम और मुकाम मिल गया है। दरोगा ने प्रज्ञा और पुरुषार्थ के बूते बताया कि आलू लेनदेन की विधा बन रही है। अमृतकाल में संविदा बन रही है। निंदक आलू को समोसे और एक पूर्व मुख्यमंत्री के साथ ही जोड़ते थे। सारे के सारे दुर्गुणों का ठीकरा फोड़ देते थे। अब तक ये व्यभिचार था। आने वाले दिनों में विचार बन जाएगा। इस पर राष्ट्रीय स्तर पर विचारोत्तेजक और बिंदास बहस होनी चाहिए। एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) की तरह पेटेंट कराना चाहिए। महाराष्ट्र और मुंबई में खोखा-पेटी खूब प्रचारित होने के बाद भी अपुन के इलाके में खोखला हो गया है। नए विधान-प्रावधान में क्यों नहीं देशी उत्पादों को वस्तु विनिमय का साधन बनाया जाए। कहा जाए- 'जिसके पास ज्यादा आलू-वह उतना अधिक चालू'। सिस्टम और नैरेटिव बनाना पड़ता है। लंबे समय अड़ना और विरोधियों से लड़ना पड़ता है। इसके बाद ही 'कोई फर्क नहीं अलबत्ता...' की स्थिति-परिस्थिति प्रकट होती है।

काशी से इस दिशा में पहल हो गई है। एक सिपाही ने वरिष्ठ का अनुसरण करते हुए काम के बदले कूलर मांगा है। इसलिए भयंकर उम्मीद है कि निलंबित दरोगा का बहाल करने की कार्रवाई बिलंबित नहीं होगी। पुरानी रवायतें बदलने के लिए इत्र नगरी के दरोगा की तर्ज पर जल्दी ही लेनदेन की विलक्षण प्रतिभा से लैस उसके समकालीन मित्र लेखपाल, मुंशी, पेशकार, बाबू, बड़े बाबू, सर, साहब और माननीय आगे आएंगे। आखेट करने के लिए नए-नए शब्द बताएंगे। फिर इनका एक शब्दकोष बनाया जाएगा। विधानसभाओं और संसद में चर्चा के बाद कुछ को शुद्ध, अशुद्ध और विधि विरुद्ध बताया जाएगा। तब तक मौजूदा परंपरा जारी रहेगी। यह नहीं होने तक प्रतियोगिता की उपयोगिता के लिए ज्यादा मारामारी रहेगी।

प्रथम पुण्य तिथि विशेष...

प्रीतम लखवाल

अंतरराष्ट्रीय मांडना कलाकार कौशल्या देवी शर्मा और उनका रचना संसार

राजस्थान की लोकधर्मा संस्कृति के प्रतीक मांडणों को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने वाली अंतरराष्ट्रीय मांडणा कलाकार और लोक संस्कृति कर्मी कौशल्या देवी शर्मा का जन्म अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 10 अक्टूबर 1942 को हिंदी तिथि अनुसार देवशयनी एकादशी को कोटा रियासत के अरंडखेड़ा ग्राम में हुआ था। कौशल्या देवी के पिता प्रभुलाल वशिष्ठ प्रधानाध्यापक और निहायत ही सीधे-साधे इंसान थे। उनकी माता कमला देवी वशिष्ठ एक सदृहस्थ गृहणी थीं, जिन्हें विभिन्न प्रकार की कलाओं का ज्ञान था। कमलादेवी वशिष्ठ पारिवारिक कार्यों के बाद बचे समय में मांडने बनाने का काम अपनी रुचि के लिए किया करती थीं और उनसे संबंधित गीत गाती जाती थीं। कौशल्यादेवी बचपन से ही अपनी मां द्वारा बनाए जाने वाले इन मांडनों को बहुत ध्यान से देखा करती थीं और उनका सहयोग भी करती थीं। उनके द्वारा गाए जाने वाले मांडने से संबंधित गीतों को ध्यान से सुनती जाती थीं तथा फुर्सत के समय में अपनी मां से प्रत्येक मांडने की अंतरकथाएं भी सुना करती थीं। धीरे-धीरे इस कला में वे निष्णात होती गईं और खुद ही अपनी रुचि से मांडने बनाने लगीं। वे विभिन्न पर्व और त्यौहारों पर उनसे संबंधित मांडने बनातीं, साथ ही उनके गीत गाती थीं और आसपास बैठी अपनी सहेलियों को मांडने की अंतरकथा विस्तार से समझाती थीं। उनका विवाह वराह नगरी बारां निवासी मुंशी भवानीशंकर शर्मा से हुआ, जो मां दुर्गा के परम भक्त थे और संतों के प्रति विशेष निष्ठा रखते थे। ससुराल में आने के बाद भी उन्होंने अपनी मांडणा कला को बदस्तूर जारी रखा। वे बदलते समय के साथ मोहल्ले और आस-पड़ोस की महिलाओं को मांडने सिखाने लगीं। इस बीच भारतीय सांस्कृतिक निधि बारां अध्याय के संस्थापक सदस्य अंतरराष्ट्रीय समन्वयी संतश्री सिद्दीक बाबा की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गई, जिसमें कौशल्या देवी की मांडना कला की ओर अध्यक्ष महोदय का ध्यान आकर्षित किया गया। बैठक में विचार-विमर्श किया गया कि किस तरह उनकी मांडना कला को संरक्षित किया जाए, क्योंकि भारतीय सांस्कृतिक निधि के उद्देश्यों में मूर्त और अमूर्त विरासत का संरक्षण करना शामिल है। इस पर अध्यक्ष महोदय ने सुझाव दिया कि कौशल्या देवी को जितने भी मांडने याद हैं, उन्हें उनकी अंतरकथाओं और गीतों के साथ संरक्षित किया जाए। इसके लिए एक प्रस्ताव बनाकर केंद्रीय कार्यालय इंटेक, नई दिल्ली को भेजा जाए। बैठक में लिए गए प्रस्ताव के अनुसार इंटेक, नई दिल्ली को मांडणा कला के संरक्षण का प्रस्ताव भेजा गया।

जिसे अध्यक्ष इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट्स एंड कल्चरल हेरिटेज, नई दिल्ली द्वारा सहमति प्रदान कर दी गई। इसके बाद भारतीय सांस्कृतिक निधि बारां द्वारा

कौशल्या देवी शर्मा से उनकी मांडना कला को संरक्षित रखने और नई पीढ़ी को इस कला के बारे में जानकारी मिले, इस उद्देश्य से अनुरोध किया गया। उन्हें सामग्री उपलब्ध कराई गई। लगभग 3 महीने में कौशल्या देवी ने विभिन्न पर्व और त्यौहार पर आधारित 100 मांडने बना दिए। मांडने बनाने का स्थान, मांडनों का महत्व, मांडनों के प्रकार और तिथि का वर्णन भी साथ-साथ ही संरक्षित करवाया गया। उनके द्वारा बनाए गए मांडनों में बड़ पूजा, बड़ा पगलिया, छोटा पगलिया, मंझला पगलिया, बाजोट, तीन तरह के गुणा-जोड़, दो तरह के डोली मांडने, श्रवण कुमार, तीज का झूला, तेल घानी, तुलसी बरला, पांच बिजनी, पच नारेल, पनिहारी, मोरां को जोड़ो, कुंडी ज्वारा, खाण्डो, बड़ी चौपड़, छोटी चौपड़, ढोल नगाड़ा, दीपक चौक, जाजम, छाछ बिलोवनी, बैलां की झूल, बावड़ी चौक, फूल चौक, आंगन चौक, तुलसी थानों, बहू पसारो, बाजरो ,बंदरवाल, बैलगाड़ी, माली मालन, बिंदियाकजी, मोती चौक, बारह कोइली, सूरज जैसे अप्रतिम मांडने शामिल थे, जो कि आज की महिलाओं के मन-मस्तिष्क और राजस्थान की संस्कृति से विलुप्त हो रहे थे। अपनी मां से मिली यह मांडणा कला मां सरस्वती की कृपा से इतना बड़ा आकार ले चुकी थी कि उन्हें लगभग 600 मांडने और उनसे संबंधित लोकगीत, अंतरकथाएं, बनाने का स्थान, ऋतु, पर्व और त्यौहार आधारित महत्व जुबानी याद थे। लोक संस्कृति कर्मी के नाम से सुप्रसिद्ध मांडना कलाकार कौशल्या देवी के अनुसार मांडने चार प्रकार के होते हैं: पहले वास्तु आधारित, दूसरे तिथि आधारित, तीसरे पर्व आधारित, चौथे स्थान आधारित। इनके द्वारा बनाए गए मांडनों को राजस्थान की लोक संस्कृति के प्रतीक रूप में भारतीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा चुना गया। राजस्थान लोक सेवा आयोग की परीक्षा में भी इनके ऊपर प्रश्न पूछा जाता है। कौशल्या देवी द्वारा बनाए गए इन मांडनों को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, भारत सरकार के महालेखा परीक्षक और पांच राज्यों के राज्यपालों को राजस्थान की लोक संस्कृति की प्रतीक रूप में भेंट किया जा चुका है। कौशल्या देवी को उनकी मांडणा कला और लोकगीतों के वैशिष्ठ्य के आधार पर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड, बारां के नवरत्न अवार्ड समेत अनेकों सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। इंटेक और अन्य संस्थाओं के माध्यम से हिंदुस्तान के अनेक बड़े-बड़े शहरों में उनकी मांडणा कार्यशालाओं का आयोजन किया जा चुका है। वे राजस्थान की एकमात्र ऐसी महिला कलाकार हैं जिनकी विश्व विख्यात शहनाई वादक स्वर्गीय उस्ताद बिस्मिल्लाह खान, उस्ताद नईमुद्दीन फहीमुद्दीन डागर, कथक सम्राट पंडित बिरजू महाराज, मोहन वीणा आविष्कारक पंडित विश्वमोहन भट्ट, फिल्म निर्माता और निर्देशक पंकज निहलानी, अभिनेता फिरोज खान, फारुख शेख, निर्माता निर्देशक महेश भट्ट, शबाना आजमी इत्यादि के साथ कार्यशालाएं आयोजित हुई हैं। जयपुर विरासत फाउंडेशन द्वारा बीकानेर के मोमासर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय लोक कला महोत्सव का उद्घाटन संयोजक विनोद जोशी के अनुरोध पर कौशल्या देवी शर्मा द्वारा विश्व प्रसिद्ध लोक कलाकारों के बीच किया गया। इनके मांडनों पर मुंबई निवासी नविता बंसल ने शोध कार्य किया। अन्य कई छात्रों ने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। जर्मनी की एक शोधार्थी ने कई दिन उनके पास आकर मांडने बनाने की कला सीखी और जर्मनी जाकर उनकी कला की प्रदर्शनी भी आयोजित की। कौशल्या देवी के अनुसार मांडने हमारी वैदिक संस्कृति के अंग हैं। कई मांडने ऐसे हैं, जो घर के लिए सुख, समृद्धि, मंगल कारी और शांति प्रदान करते हैं। उनके द्वारा संरक्षित 140 मांडनों में शामिल 18 मांडने ऐसे हैं, जिनका आध्यात्मिक महत्व है और जिनको समय, काल और मुहूर्त के अनुसार बनाने से संबंधित समस्याएं दूर होती हैं। जैसे तबूकड़ी नामक मांडणा खलिहान में बनाए जाने से फसल अच्छी मात्रा में प्राप्त होती है और फसल में बरकत होती है। परिवार में विवाह के समय घर की दहलीज पर बहू पसारो मांडणा बनाने से नववधू घर के लिए मंगलकारी एवं परिवार को सुख समृद्धि प्रदान करने वाली सिद्ध होती है। मोरज्वारा मांडणा का एक गीत इस प्रकार है-

'चली आई लट छटकाए हाथ लिए लाल ध्वजा
के फल फूले री मैया हरे री जवारे।
के फल फूले री मैया लाल अनार।
हाथ लिए लाल ध्वजा।
नौ माला फूले री मैया हरे री जवारे।
दस माला री मैया लाल अनार।
हाथ लिए लाल ध्वजा।
कौन ने बोए री मैया हरे री जवारे।
कौन ने तोड़े री मैया लाल अनार।
हाथ लिए लाल ध्वजा।
लांगुरिया ने बोए री मैया हरे री जवारे।
माता ने तोड़े री मैया लाल अनार।
हाथ लिए लाल ध्वजा।'

विगत वर्ष 15 अगस्त 2023 को वे अपना भरापूरा परिवार छोड़कर इस दुनिया से दूर चली गईं।

कटाक्ष

केदार शर्मा

कविता प्रेमी चोर के नाम पत्र

हे चौर्यकर्म मर्मज्ञ,

तुम्हारे बारे में यह खबर पढ़ने को मिली कि तुमने चोरी किया हुआ सामान पश्चाताप भरे पत्र के साथ वहीं वापस वहीं रख दिया जहाँ से तुमने उठाया था। कारण जब तुम्हें पता चला कि वह घर तो तुम्हारे पसंदीदा कवि का था। जाहिर है चोरी के साथ-साथ तुम्हें कवि और कविताओं से जबरदस्त प्रेम रहा होगा। पता नहीं कविताओं की यह लत तुमको कैसे लग गई ? अमूमन चोरों को लगती नहीं। किसी भी चोर को नहीं लगती चाहे वह प्रत्यक्ष चोर हो या परोक्ष, दरबारी हो या घरबारी। जैसे नाव में हुआ एक छेद नाव को डूबो सकता है वैसे ही यह एक शौक तुम्हारे पेशे को बरबाद कर सकता है। कविता और चोरी में तो छत्तीस का आँकड़ा है। अगर हर आदमी तुम्हारी तरह कविताओं में दिलचस्पी लेने लग गया तो तुम्हारे इस चोरी के धंधे सहित उनके भी अनेक धंधों पर बंटाढार होने का खतरा मंडरा सकता है,क्योंकि जहाँ चोरी हो वहाँ कविता कैसे हो सकती है और जहाँ कविता है वहाँ चोरी होना मुश्किल है। भले आदमी तुमने बाल-बच्चों का तो ख्याशल किया होता।

वर्षों पहले वर्षों पहले अमेरिकी कवि राबर्ट फ्रोस्ट ने अपनी कविता 'फायर एंड आइस' में कहा था कि इस दुनिया का अंत आपसी स्वार्थ या आपसी घृणा के कारण हो सकता है, पर तुमने सिद्ध कर दिया कि स्वार्थ और घृणा दोना का खात्मा साहित्य से हो सकता है। आजकल कई कवियों की कविताओं से खुद उसकी पत्नी,पड़ोसी और दोस्त तक कतराते हैं,वहीं तुम इतने बड़े सनकी निकले कि हाथ में आया माल तक वापस लौटा दिया! तुम्हारे सारे मौसेरे भाई इस घटना से सदमें में आ गए हैं। सोच रहे हैं कि हमारे कुनबे के लोगों का इस तरह से हृदय परिवर्तन होता रहा तो चौर्यकर्म के अनुयायियों के लुप्त होने का खतरा मंडरा सकता है। अब तक तो हमने बस पढ़ा-सुना था ही था कि किसी-किसी चोर-डाकू का हृदय परिवर्तित हो जाता है। यशपाल की कहानी 'हार की जीत' में डाकू खड़गसिंह बाबा भारती को चोरी किया हुआ घोड़ा वापस लौटा देता है। स्वीडिश लेखक लेगरलोफ की विख्याात कहानी 'दा रेटट्रेप 'में चूहेदानी बेचने वाला चोर, चोरी किए हुए धन के साथ अपनी और से क्रिसमस का उपहार भी मिलाकर पश्चा ताप भरे पत्र के साथ चुपचाप रख जाता है। ये सब तो किस्से कहानियों की बातें थी पर तुमने तो यह सब हकीकत में कर दिखाया।

तुमने किसी कवि की कविताएँ क्या पढ़ ली कि अपनी सारी की सारी सोई हुई संवेदनाओं को बेवक्त जगा दिया। तुम नहीं जानते कि वर्तमान युवा पीढ़ी तो केवल और केवल लक्ष्मी मैया को घर मे लाने वाले ज्ञान के पीछे भाग रही है। चिकित्सक और इंजीनियर और थानेदार से कम पर किसी की नजर नहीं है। परंतु किसी ने अपनी सोई हुई संवेदनाओं को इस कदर जगाकर अपने पेट पर लात नहीं मारी । आखिर यहाँ भी एक से बढ़कर एक प्रतिभाशाली और बुद्धिजीवी होंगे और चुपचाप अपने-अपने तरीके से चोरी भी करते होंगे, पर मजाल किसी ने भी किसी कविता को मुँह लगाया हो या उसकी ओर आँख उठाकर भी देखा हो। क्या एक चिकित्सक चिकित्सा क्षैत्र का महाज्ञानी नहीं होता? पर उनमें से कुछ बंदों का ध्याान तो तेरी तरह कविताओं में नहीं होकर दवाओं और जाँचों के कमीशन में, मरीजों की जेब से घड़ी दर घड़ी आती फीस जैसे नित्य कामों में लगा रहता है। कुछेक इंजीनियर भी अपने यांत्रिक ज्ञान में महारत हासिल कर एक के बाद एक गिरने वाले पुल तैयार करते है। और फिर से नए सिरे से टेंडर लेने के लिए ठेकेदारों को तैयार करते हैं। जो साहित्य का क ख ग नहीं जानते ऐसे ही लोग तहखानों में कोचिंग चला-चलाकर भावी अफसर तेयार करने में समय और श्रम लगाते हैं। कई कलर्क,पटवारी,लेखाकर्मी या अन्य कई मुलाजिम जिसे भी मौका मिलता है,अपने वेतन को सुरक्षित रखकर मात्र सुविधा शुल्क पर गुजारा कर लेते हैं पर तुम्हारी तरह कविताओं से दिल नहीं लगाते। अगर चाणक्य की आँखों से देखें तो वे सभी चोर हैं जो निजी कामों के लिए भी सरकारी दीपक जलाकर रोशनी करते हैं। 'राम नाम जपना सरकारी माल अपना'' की नीति में विश्वा स रखते हैं।

तुम्हारे इस कृत्य से चोरी का सूचकांक धड़ाम से गिर पड़ा है और कविताओं का बाजार उछाल पर है। फिलहाल तो यह चौर्यकर्म यूनियन यदि कहीं हो तो उसे अब तक तुम्हारे खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित कर देना चाहिए था।

तुम्हारे मौसेरे भाई।

आर्थिकी

राजामनु गौतम

सोशल मीडिया बदल रहा है बाजार की दशा

अब ग्राहक आसानी से किसी प्रोडक्ट का कस्टमर रिव्यू और उत्पाद जानकारी पा सकते हैं, तथा रियल टाइम में प्रोडक्ट या ब्रांड की जानकारी के लिए कंपनी के ग्राहक सेवा अधिकारी से बातचीत कर सकते हैं। इस बदलाव ने खरीदारों को अपनी प्राथमिकताओं, पसंद और विश्वासों के आधार पर खरीदारी के निर्णय लेने की अधिक शक्ति दी है। उदाहरण के लिए, कोई व्यवसाय किसी उत्पाद को लॉन्च करने के लिए इंस्टाग्राम का उपयोग कर सकता है, अपने उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए बड़ी संख्या में फ़ॉलोअर्स वाले प्रभावशाली लोगों (इन्फ़लुएंसर) को टैग कर सकता है, और अंततः संभावित ग्राहकों को खरीदारी करने के लिए राजी कर सकता है।

बीते कुछ वर्षों में सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के बढ़ते प्रसार के साथ, एक प्रतिस्पर्धी ऑनलाइन बाज़ार उभर कर आया है, यही कारण है कि कंपनियाँ ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए डिजिटल विज्ञापन और सोशल मीडिया मार्केटिंग पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रही हैं। वर्ष 2024 में, भारतीय डिजिटल विज्ञापन पर 5.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक खर्च किए जाने का अनुमान है इससे यह समझ में आता है कि सोशल मीडिया मार्केटिंग बहुतेरे तरीके से ग्राहकों को प्रभावित कर रही है। दरअसल बात सिर्फ इतनी है कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (पूर्व में ट्विटर) और पिनटेरेस्ट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म ऑनलाइन उत्पादों और सेवाओं की तलाश करने वालों के लिए जरूरी उपकरण बन गए हैं।

अब ग्राहक आसानी से किसी प्रोडक्ट का कस्टमर रिव्यू और उत्पाद जानकारी पा सकते हैं, तथा रियल टाइम में प्रोडक्ट या ब्रांड की जानकारी के लिए कंपनी के ग्राहक सेवा अधिकारी से बातचीत कर सकते हैं। इस बदलाव ने खरीदारों को अपनी प्राथमिकताओं, पसंद और विश्वासों के आधार पर खरीदारी के निर्णय लेने की अधिक शक्ति दी है। उदाहरण के लिए, कोई व्यवसाय किसी उत्पाद को लॉन्च करने के लिए इंस्टाग्राम का उपयोग कर सकता है, अपने उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए बड़ी संख्या में फ़ॉलोअर्स वाले प्रभावशाली लोगों (इन्फ़लुएंसर) को टैग कर सकता है, और अंततः संभावित ग्राहकों को खरीदारी करने के लिए राजी कर सकता है।

इसी के साथ डिजिटल संस्कृति का एक और महत्वपूर्ण पहलू जो ग्राहकों के ऑनलाइन खरीदारी व्यवहार को प्रभावित करता है, वह है डिजिटल कूपन, प्रोमो कोड और फ्लैश सेल जैसे विभिन्न लागत-बचत अवसरों की उपलब्धता। अतीत में, बचत के लिए उपभोक्ताओं की खोज अक्सर अखबारों या फ्लायर्स

जैसे पारंपरिक प्रिंट मीडिया तक ही सीमित थी, जो समय लेने वाली और असुविधाजनक थी। हालाँकि, ऑनलाइन शॉपिंग और डिजिटल मार्केटिंग के उदय ने उपभोक्ता व्यवहार के इस पहलू को बदल दिया है।

सोशल मीडिया उपभोक्ताओं को अपनी बात कहने का एक शक्तिशाली साधन है। कंपनियाँ इसका उपयोग ब्रांड जागरूकता पैदा करने, ग्राहकों से जुड़ने, अन्य मार्केटिंग चैनलों पर ट्रैफ़िक बढ़ाने और अपने दर्शकों को बढ़ाने के लिए करती हैं। प्रत्येक सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म सूचना के आदान-प्रदान की अनुमति देता है, जिससे संचार का दो-तरफ़ा प्रवाह संभव होता है। सोशल मीडिया ने उपभोक्ताओं के ब्रांड के साथ बातचीत करने के तरीके को भी बदल दिया है, जिससे उन्हें तुरंत अपनी राय व्यक्त करने की अनुमति मिलती है। इसके अतिरिक्त, इसने पारंपरिक खरीदारी व्यवहार प्रक्रिया को जटिल बना दिया है, जो पारंपरिक चैनलों से आगे बढ़कर ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म तक पहुँच गई है। उपभोक्ता की प्राथमिकताएँ और निर्णय लेना अब ऑनलाइन विपणक के नियंत्रण से बाहर के स्रोतों जैसे कि सहकर्मी समीक्षाएँ, रेफ़रल, ब्लॉग, सोशल नेटवर्क और उपयोगकर्ता द्वारा तैयार की गई सामग्री से प्रभावित होते हैं।

ऑनलाइन शॉपिंग उपभोक्ताओं को अपने घर से ही उत्पादों को देखने और खरीदने की सुविधा देती है, बिना किसी भौतिक स्टोर पर जाने के, यह सुविधा विशेष रूप से व्यस्त उपभोक्ताओं को आकर्षित करती है जिनके पास भौतिक स्टोर पर जाने का समय नहीं होता है।

इसके अलावा मोबाइल कॉमर्स की बदौलत उपभोक्ता अपने मोबाइल द्वारा आसानी से खरीदारी कर सकते हैं। फिंगरप्रिंट स्कैनिंग जैसी उन्नत सुरक्षा सुविधाओं तथा फोनपे, गूगल पे और पेटीएम जैसे ऐप विभिन्न मोबाइल भुगतान विकल्पों के कारण मोबाइल प्लेटफ़ॉर्म ज़्यादा सुरक्षित और व्यापक रूप से अपनाया जाने लगा है, जिससे बाजार की दशा व दिशा दोनों बदल गई है।

ऑनलाइन खरीदारी करते समय उपभोक्ता के व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों में उत्पाद मूल्य एक महत्वपूर्ण कारक है। अपितु यह मूल्य कारक गुणवत्ता जैसे मूर्त तत्वों के साथ-साथ ब्रांड प्रतिष्ठा और विश्वास जैसे अमूर्त पहलुओं का मिश्रण है।

दरअसल ऑनलाइन शॉपिंग व्यवहार कई कारकों जैसे जोखिम, सामाजिक प्रभाव और जनसांख्यिकी आदि से प्रभावित होता है।

चूंकि भारी छूट के कारण उपभोक्ता अप्रत्याशित खरीदारी करने की अधिक संभावना रखते हैं, जबकि जोखिम से विश्वास में कमी आ सकती है। सामाजिक प्रभाव और ऑनलाइन मार्केटिंग उपभोक्ता की धारणाओं और खरीद निर्णयों को प्रभावित करते हैं। आयु, लिंग, आय, शिक्षा और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि जैसी जनसांख्यिकी भी एक भूमिका निभाती हैं। महिलाएँ उत्पादों की विस्तृत विविधता की सुविधा के कारण ऑनलाइन खरीदारी करती हैं। सोशल मीडिया मार्केटिंग का भारत सहित वैश्विक स्तर पर व्यवसायों पर गहरा प्रभाव पड़ता है, क्योंकि यह उपभोक्ता की धारणा को आकार देता है और खरीद निर्णयों को प्रभावित करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) ग्राहक सेवा इंटरैक्शन को स्वचालित करके और चौबीसों घंटे सहायता प्रदान करके डिजिटल मार्केटिंग में क्रांति ला रहा है। इसने ग्राहक संतुष्टि रेटिंग में वृद्धि की है और व्यवसायों को अपने ग्राहकों की प्राथमिकताओं को बेहतर ढंग से समझने और अपनी मार्केटिंग रणनीतियों को अनुकूलित करने की अनुमति दी है।

लेकिन ऐसा नहीं है कि सोशल मीडिया से बाजार को केवल फायदे ही हुए हैं इसके खराब परिणाम भी देखने को मिले हैं, जैसे समाज में दिखावा करने का प्रचलन बढ़ा है जिससे लोगों के बीच अप्रत्याशित उपभोक्तावादी संस्कृति जागृत हुई है। उदाहरण के लिए हालिया मीडिया रपट के मुताबिक देश में बिकने वाले हर 10 में से 7 आईफोन किस्तों पर खरीदे जाते हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया के उपयोग को उत्पीड़न, मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और दूसरों की विकृत धारणाओं से जोड़ा गया है, खासकर युवा जनसांख्यिकी में। साथ ही सोशल मीडिया अपने उपयोगकर्ताओं के बीच भावनात्मक तनाव, निराशा, निर्भरता और सामाजिक अलगाव पैदा करता है।

स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में राज्यमंत्री श्री पटेल ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज

मुख्यमंत्री के संदेश का किया वाचन, परेड की ली सलामी

बैतूल। 78 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय पर आयोजित मुख्य समारोह में राज्य मंत्री, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग व प्रभारी मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने ध्वजारोहण किया एवं परेड की सलामी ली। उन्होंने परेड कमांडर्स से परिचय भी प्राप्त किया। इस दौरान कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया भी मौजूद थे। समारोह में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री श्री पटेल ने मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया। देश की स्वतंत्रता का यह पर्व समूचे जिले में उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

परेड में राष्ट्रगान की धुन के साथ किया हर्ष फायर - समारोह के दौरान आयोजित परेड में जिला पुलिस बल (पुरुष), जिला होमगार्ड बैतूल, वन विद्यालय बैतूल, 13वी वाहिनी डी कंपनी सशस्त्र बल ग्वालियर कैम्प बैतूल, एनसीसी सीनियर डिवीजन बालक (जेएच कॉलेज), एनसीसी सीनियर डिवीजन बालिका (जेएच कॉलेज), राष्ट्रीय सेवा योजना संयुक्त इकाई बैतूल, एनसीसी जूनियर डिवीजन बालक शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल, एनसीसी जूनियर डिवीजन बालिका शासकीय कन्या महारानी लक्ष्मी बाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, न्यू बैतूल कोठी बाजार, स्काउट गाइड सरस्वती विद्या मंदिर कालापाठा, आरडी पब्लिक स्कूल कालापाठा, आरडी पब्लिक स्कूल गाइड, रेडक्रास दल शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गंज, शौर्य दल सशक्तिकरण महिला बाल विकास बैतूल, ट्रॉफिक वार्डन बैतूल द्वारा भव्य परेड प्रस्तुत की गई। परेड में राष्ट्रगान की धुन के साथ हर्ष फायर भी किया गया। समारोह में परेड के मुख्य कमांडर रक्षित निरीक्षक दिनेश मर्सकोले एवं सहायक कमांडर उपनिरीक्षक श्री छत्रपाल धुर्वे थे।

विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति - समारोह में शासकीय पोस्ट मैट्रिक महाविद्यालय व सीनियर कन्या छात्रावास बैतूल, आरडी पब्लिक स्कूल कालापाठा, सरस्वती विद्या मंदिर कालापाठा, लिटिल फ्लावर स्कूल सदर, कन्या क्रीड़ा परिसर बैतूल, मानसरोवर द स्कूल बडोरा बैतूल द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसको उपस्थित दर्शकों ने तालियां बजाकर सराहा।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों का किया सम्मान - कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य मंत्री श्री पटेल द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों, लोकतंत्र सेनानियों, शहीदों के परिजनों का सम्मान किया गया। इस दौरान बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, विधायक आमला डॉ.योगेश पंडाग्रे, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बारस्कर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, जिला भाजपा अध्यक्ष आदित्य शुक्ला, सीईओ जिला पंचायत अक्षत जैन सहित विभागीय अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं नागरिक गण उपस्थित थे।

विजेताओं को शील्ड देकर किया सम्मानित - मुख्य अतिथि राज्य मंत्री श्री पटेल ने बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, विधायक आमला डॉ.योगेश पंडाग्रे, कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया के साथ इस समारोह में आकर्षक परेड प्रस्तुत करने वाली विभिन्न बलों की टुकडियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। ग्रुप ए परेड प्रस्तुति में प्रथम स्थान पर जिला पुलिस बल बैतूल (पुरूष), द्वितीय स्थान पर वन विद्यालय बैतूल, तृतीय स्थान पर एनसीसी सीनियर डिवीजन बालिका (जेएच कॉलेज), ग्रुप बी परेड में प्रथम स्थान पर एनसीसी जूनियर डिवीजन बालक शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल, द्वितीय स्थान पर एनसीसी जूनियर डिवीजन बालिका शासकीय कन्या महारानी लक्ष्मी बाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, तृतीय स्थान पर स्काउट गाइड सरस्वती विद्या मंदिर कालापाठा बैतूल, ग्रुप सी परेड में प्रथम स्थान पर आरडी पब्लिक स्कूल गाईड, द्वितीय स्थान पर शौर्य दल महिला सशक्तिकरण महिला बाल विकास बैतूल, तृतीय स्थान पर ट्रॉफिक वार्डन बैतूल की टुकड़ी रही। इसी तरह सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति में प्रथम स्थान पर मानसरोवर पब्लिक स्कूल, द्वितीय स्थान पर लिटिल फ्लावर स्कूल, तृतीय स्थान पर आरडी पब्लिक स्कूल रहा। सांत्वना पुरस्कार कन्या क्रीड़ा परिसर बैतूल को दिया गया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया

देशभक्ति के रंग में डूबे छात्र, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गूंजा विद्यालय प्रांगण

बैतूल। सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल में 77 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर विद्यालय की डायरेक्टर दीपाली निलय डागा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और बच्चों के साथ देशभक्ति के जज्बे को साझा किया। समारोह में छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रीय जागरूकता का संदेश दिया। ई.वाई. क्लास के छोटे-छोटे छात्र-छात्राएं रानी लक्ष्मीबाई, भारत माता, सरोजिनी नायडू, पंडित नेहरू और गांधीजी की वेशभूषा में नजर आए, जिसने समारोह को और भी खास बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत देशभक्ति गीतों से हुई, जिसके बाद छात्रों ने अपनी प्रस्तुतियों के जरिए माहौल को भावुक और देशभक्ति से सराबोर कर दिया। विद्यालय प्रांगण 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से गूंज उठा। इस अवसर पर दीपाली निलय डागा ने अपने उद्बोधन में देशभक्तों के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय ध्वज की रक्षा का महत्व बताया। साथ ही, उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि हमें हमेशा उन वीरों का आदर करना चाहिए, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। समारोह में स्कूल की प्रिंसिपल जया चक्रवर्ती, मैनेजर शिवशंकर मालवीय और अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं भी मौजूद रहीं, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया।

सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के अंतर्गत मास्टर ट्रेनर्स को दिया प्रशिक्षण

बैतूल। जनजातीय कार्य विभाग मध्य प्रदेश द्वारा मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के माध्यम से सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत बैतूल जिले के 6 जनजातीय बाहुल्य विकास खण्डों के 13 शिक्षकों का 4 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण भोपाल स्थित रेजीडेंसी होटल में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में विशेष रूप से जनजातीय कार्य विभाग भोपाल से सहायक आयुक्त सुधांशु वर्मा एवं सहायक संचालक विनय ठक्कर भी उपस्थित रहे। जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम का उद्देश्य मध्य प्रदेश के जनजाति बाहुल्य जिलों की शासकीय माध्यमिक शालाओं एवं विशेष आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु गतिविधि आधारित जीवन कौशल सत्रों का संचालन शिक्षकों द्वारा किया जाना है। यह कार्यक्रम जनजातीय छात्रों की अनूठी जरूरतों को पहचानता है और विशेष रूप से आउटडोर गेम (खेल) के माध्यम से गतिविधि-आधारित शिक्षा पर ध्यान देते हुए डिजाइन किया गया है।

प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर शिक्षकों को देंगे प्रशिक्षण - प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा आगामी दिनों में जिले के 6 जनजातीय बाहुल्य विकासखण्डों के शिक्षकों के लिए 3 दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण जनजातीय कार्य विभाग बैतूल एवं मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। तदोपरांत समस्त प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा अपनी-अपनी शैक्षणिक संस्थाओं में छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु गतिविधि आधारित जीवन कौशल सत्रों का संचालन किया जाएगा।

जिले के प्रभारी एवं राज्य मंत्री श्री पटेल ने कन्याओं के साथ किया भोजन

बैतूल। जिले में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि राज्य मंत्री, लोक स्वास्थ्य एवं एवं चिकित्सा विभाग व प्रभारी मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने शासकीय कन्या शाला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण कर विशेष भोज कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान राज्य मंत्री श्री पटेल ने छात्राओं के साथ भोजन किया। इस अवसर पर बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर, भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला, पर्यावरणविद मोहन नागर, कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कलेक्टर निवास और कलेक्ट्रेट भवन में किया ध्वजारोहण

बैतूल। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित संयुक्त कार्यालय भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण के अवसर पर एडीएम राजीव नंदन श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर निवास पर ध्वजारोहण किया। सशस्त्र जवानों की सुसज्जित टुकड़ी ने बंदूकों से राष्ट्रध्वज को सलामी दी। कलेक्टर ने ब्लैक कलर का सूट पहना हुआ था, जिस पर उन्होंने रंगीन पगड़ी बांधकर ध्वज की सलामी ली। इस अवसर पर अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

टाइम लिमिट बढ़ाने से सुस्ती, सड़क का काम पूरी तरह रोका

● बारिश के साथ बढ़ रही गड्ढों की गहराई, ● पानी से भरे गड्ढों के कारण परेशान हो रहे लोग

संजय ि द्वेदी बैतूल। शहर के सबसे व्यस्ततम क्षेत्र कोठीबाजार में बस स्टैंड से कोतवाली तक बनने वाली सड़क का काम टाइम लिमिट बढ़वाकर पूरी तरह रोक दिया है। इस प्रोजेक्ट की टाइम लिमिट जून 2024 में पूरी हो गई थी। उसे बढ़वाकर हाल ही में नगरपालिका परिषद की ओर से दिसंबर 2024 तक कर दिया है। टाइम लिमिट बढ़ने के साथ ही नपा का अमला और ठेकेदार दोनों ही हाथ पर हाथ रखकर कर बैठक गए हैं और अब इसका काम पूरी तरह रोक दिया गया है। वैसे तो मौसम साफ होने और बारिश नहीं होने पर आसानी से धीरे-धीरे काम किया जा सकता था, लेकिन पिछले 15 दिनों से एक इंच भी काम नहीं किया गया है। दो करोड़ की यह सड़क, वैसे तो जून 2024 तक बना दी जानी चाहिए थी। लेकिन दिसंबर 2024 तक इसकी टाइम लिमिट बढ़वाकर सुस्ती बरत दी गई है। इसका खामियाजा यहां से गुजरने वाले लोगों को भुगतना पड़ रहा है। इस सड़क के गहरे गड्ढे दनोदिन और भी गहरे होते जा रहे हैं।

गहरे गड्ढों में वाहन जाते ही हो रहे अनियंत्रित, उछलता पानी खराब कर रहा कपड़े - इस सड़क पर बा रि श में पानी गिरने के साथ ही गड्ढों की गहराई आधा फीट से अधिक हो गई है। लगभग पौन फीट के गहरे इन गड्ढों में वाहनों के पहिए जाते ही वाहन पूरी तरह अनियंत्रित हो जाते हैं और अन्य वाहनों से इनके टकराने का खतरा भी रहता है। बाजार के दिए रविवार और गुरुवार को तो यहां पर वाहनों के पहियों के गड्ढों में जाने से उछला हुआ पानी लोगों के कपड़े भी खराब कर देता है।

टाइम लिमिट दिसंबर 2024 तक बढ़ाई - इस दो करोड़ की लागत से बनाई जाने वाली सड़क के प्रोजेक्ट की टाइम लिमिट बढ़ाकर दिसंबर 2024 तक कर दी है। दिसंबर 2024 की समय सीमा में फिलहाल साढ़े चार महीने बचे हैं। चू कि यह शहर का व्यस्त मार्ग और बाजार का क्षेत्र है अत यहां पर काम करने में काफी समय लगेगा। इस बीच डिवाइडर भी बनने हैं। लेकिन ठेकेदार को यह समय पर्याप्त लग रहा है। इसलिए काम पूरी तरह रोक दिया है।

इनका कहना - मौसम साफ होते ही काम शुरू करवा देंगे, लगातार बारिश के कारण फिलहाल सड़क का काम नहीं किया जा रहा है। प्रोजेक्ट की टाइम लिमिट बढ़ा दी है। दिसंबर 2024 तक अब यह काम किया जाना है। जल्द ही मौसम साफ होते ही काम शुरू किया जाएगा।

- नीरज धुर्वे, एई, नपा बैतूल

व्यापारी संघ की मांग पर गंज पुलिस चौकी पुनः प्रारम्भ

विधायक ने जीर्णोद्धार के लिए 5 लाख की घोषणा की

बैतूल। शहर के गंज क्षेत्र में दो वर्षों से अधिक समय से बंद पड़ी पुलिस चौकी को व्यापारियों की मांग पर 15 अगस्त को 78 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुन शुरू कर दिया गया है। व्यापारी संघ (कैट) के प्रचार सचिव राजेश मदान ने बताया कि जबसे पुलिस ग्राउंड के पास गंज थाने का शुभारंभ हुआ था, तबसे पुलिस विभाग द्वारा गंज क्षेत्र में कई वर्षों से बनी पुलिस चौकी को स्टाफ की कमी के कारण बंद कर दिया गया था, जिसे व्यापारी संघ बैतूल की लगातार की गई मांग पर विधायक हेमंत खंडेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया के द्वारा पुन प्रारम्भ किया गया। जिससे इस क्षेत्र के नागरिकों ने संतोष व्यक्त किया है और उम्मीद जताई है कि उन्हें जान माल की सुरक्षा, हो रही चोरियों, अपराधों और अपराधियों पर भी अंकुश लग सकेगा। पुलिस विभाग के अनुसार चौकी में 6 पुलिस कर्मियों का स्टाफ रहेगा। जिसमें एक एएसआई व 5 अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहेंगे। श्री मदान ने बताया कि गंज चौकी के जीर्णोद्धार आदि के लिए विधायक हेमंत खंडेलवाल ने 5 लाख रुपए देने की घोषणा की है जिनके सराहनीय प्रयासों से चौकी पुन शुरू हो सकी है।

यह थे मौजूद -चौकी के शुभारंभ पर विधायक हेमंत खंडेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक निश्चल एन झारिया का समस्त व्यापारियों ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर विधायक हेमंत खंडेलवाल, पुलिस अधीक्षक निश्चल एन झारिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी, अनुविभागीय अधिकारी शालिनी परस्ते, नपा अध्यक्ष पार्वती बाई बारसकर, गंज पार्षद विकास प्रधान, मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, विक्रम वैद्य, व्यापारी संघ (कैट) बैतूल के जिलाध्यक्ष मनोज भार्गव, किराना एवं जनरल व्यापारी संघ के अध्यक्ष बंटी मोटवानी, औषधि विक्रेता संघ के अध्यक्ष मंजीत सिंह साहनी, पंजाबी समाज अध्यक्ष कश्मीरलाल बतरा, व्यवसायी प्रवीण गुगनानी, राजा ठाकुर, धीरज हिराणी, दीपक सलूजा सहित अन्य कई व्यापारी मौजूद थे।

स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की भूमिका अहम

पटवारी कॉलोनी की महिलाओं ने हर्षोल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस

बैतूल। स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय त्योहार के रूप में पूरे हिंदुस्तान में मनाया गया। इस तारतम्य में पटवारी कॉलोनी की महिलाएं भी पीछे नहीं रहीं और पूरे हर्षोल्लास से सांस्कृतिक कार्यक्रम कर स्वतंत्रता दिवस मनाया। जिसकी विशेषता यह रही कि कार्यक्रम में सभी धर्मों की महिलाएं सम्मिलित रही। महिलाओं ने कहा कि भारत को आजादी दिलाने में महिलाओं की भी उल्लेखनीय भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि आजादी जो हमें कुर्बानी और संघर्ष के बाद मिली है उसे अक्षुण बनाए रखने की जिम्मेदारी हम सभी की है। इस अवसर पर महिला जागृति मंच की रेखा पंवार, सुनिता बावरिया, अनिता धनराज गुजरे, रेखा डोंगरे, शशिकला पवार, नमा निरापुरे, संगीता प्रजापति, सोनू पवार, आरती वामनकर, रीना वामनकर, फरहद अंसारी, नाज अंसारी, याशी वामनकर, रूही वामनकर, अर्चना सिंह, गजानंद पवार, रेखा शर्मा, आदि पटवारी कॉलोनी वासी मौजूद थे।

स्वतंत्रता दिवस परेड में आर.डी.स्कूल के स्काउट गाइड प्लाटून जिले में अव्वल

● प्रभारी मंत्री ने आर.डी. के स्काउट गाइड प्लाटून-सामूहिक नृत्य दल को किया पुरस्कृत

● आरडी. स्कूल, आरडी. किड्स में हर्षोल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस

बैतूल। उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थान आर.डी.पब्लिक स्कूल और आर डी किड्स बैतूल में 78वां स्वतंत्रता दिवस पारंपरिक हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि प्रतिष्ठित समाजसेवी मनोज खण्डेलवाल ने ध्वजारोहण किया। स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में आर.डी. इंस्टीट्यूशंस की डायरेक्टर ऋतु खंडेलवाल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रही। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आर.डी.पब्लिक स्कूल और आर.डी. किड्स के छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रभावना पर केन्द्रित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित स्वतंत्रता दिवस के जिला स्तरीय मुख्य समारोह में आर.डी.पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सफलता का परचम लहराया। मुख्य समारोह में आयोजित स्वतंत्रता दिवस की परेड में आर.डी.पब्लिक स्कूल की स्काउट गाइड प्लाटून ने बैतूल जिले में प्रथम एवं सामूहिक नृत्य में तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्काउट गाइड प्लाटून एवं सामूहिक नृत्य दल में शामिल विद्यार्थियों को जिला स्तरीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि म.प्र. के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा राज्य मंत्री व बैतूल जिले के प्रभारी मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने प्रशस्ति पत्र और शील्ड देकर पुरस्कृत और सम्मानित किया। इस दौरान बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल, आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे, कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी और पुलिस अधीक्षक निश्छल झारिया भी मौजूद रहे।

देश के सर्वांगीण विकास में बने भागीदार- ऋतु खंडेलवाल - आर.डी.पब्लिक स्कूल एवं आर.डी. किड्स स्कूल बैतूल में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए आर.डी. इंस्टीट्यूशन की डायरेक्टर ने कहा कि विकसित भारत हमारा संकल्प है। भारत देश में हो रहे आर्थिक और सामाजिक विकास को लेकर उन्होंने अभिभावकों व पालकों को प्रेरित किया। डायरेक्टर श्रीमती खण्डेलवाल ने कहा कि विद्यार्थी शिक्षा और कौशल हासिल कर देश के सर्वांगीण विकास में अपनी भागीदारी दे। स्वतंत्रता दिवस समारोह में केजी-1 के विद्यार्थियों ने टैबलियू (ड्रामा) प्रस्तुत कर भारतीय सेना में कार्यरत सैनिकों के त्याग एवं बलिदान को नमन किया। केजी-टू के विद्यार्थियों ने सामूहिक नृत्य और क्ले आर्ट की प्रस्तुति दी। आर डी किड्स के विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता दिवस पर भाषण एवं पी.टी. का प्रस्तुतीकरण किया। स्वतंत्रता दिवस समारोह में पहली से पांचवी कक्षा के विद्यार्थियों ने ''गूंजता है आसमां'' गीत पर सामूहिक नृत्य, छठवीं से कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों ने '' सरफरोशी की तमन्ना'' गीत पर सामूहिक नृत्य, कक्षा पहली से कक्षा तीसरी के विद्यार्थियों ने सामूहिक गीत एवं कक्षा 6वीं से कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों ने रानी लक्ष्मी बाई के जीवन पर ड्रामा प्रस्तुत कर उनकी शहादत को नमन किया। समारोह में प्राचार्य, उप प्राचार्य, शिक्षक, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

कलेक्टर बंगले के सामने तक आवारा जानवरों का जमघट...!

नर्मदापुरम। मुख्यालय और आस-पास क्षेत्र की सड़कें आवाजाही के हिसाब से ठीक नहीं, जिसमें राजमार्ग तक शामिल किए जा सकते, अधिकांश जिम्मेदार व्यक्तित्व कीमती और आरामदेह चार पहिया गाड़ियों में आवाजाही करते तो हैं जिन्हें, सड़कों पर हो चले गड्ढे, सड़कों पर विचरण करते या बैठे, आराम करने वाले जानवर जिनमें दिखाई नहीं देते, इन जिम्मेदारों का मोबाइल और कार्यालयीन काम काज के पन्ने गाड़ी में पलटते कब और कैसे गुजर जाता उन्हें मालूम नहीं होता पर सफर करवाने वाला गाड़ी का ड्राइवर उस पीढ़ा और तकलीफ को महसूस करता है। इस तकलीफ से मुक्ती दिलाने के लिए जिम्मेदार जबकि गाड़ी के हिचकोले से महसूस नहीं कर पाते। ऐसी ही पीड़ा का जिक्र सोशल मीडिया पर किसान संघ से जुड़े जागरुक शिव मोहन सिंह ने वीडियो के साथ साझा किया वह महत्वपूर्ण है। शिव मोहन सिंह ने 99 लोगों को टेंग कर मुख्यालय के करीब राजमार्ग का वर्णन वीडियो के साथ जोड़ा है। उन्होंने लिखा कि प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल मढई और पचमढ़ी जोड़ने वाला प्रमुख राजमार्ग जिसमें लक्ष्मण झूला रूपी तवा पुल का आनंद लेने के बाद जब पर्यटक आगे बढ़ते हैं तब

उनका सामना ग्राम आंचल खेड़ा तहसील माखन नगर के मुख्य मार्ग पर डेरा जमाए उस ग्राम और आसपास के गांव के मवेशियों से होता है। जिन्हें क्रॉस करने में पर्यटकों को एड़ी चोटी का जोर लगाना पड़ता है यदि तुलनात्मक रूप से अध्ययन किया जाए तो मध्य प्रदेश में मुख्य मार्ग पर शायद इसी स्थान पर सर्वाधिक जानवर डेरा जमाए हुए मिलेंगे। शिव मोहन सिंह इसमें यह भी जोड़ते हैं यहां प्रश्न यह उठता है प्रशासन क्या कर रहा है क्या, सीईओ जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत माखन नगर का कोई उत्तरदायित्व है या नहीं, या जो कुछ करना है सब कलेक्टर साहब को ही करना है और यदि सब उन्हें ही करना है फिर आपकी क्या आवश्यकता है क्या, मध्य प्रदेश में टूरिज्म को ऐसे ही प्रोत्साहन दिया जाएगा..? शिव मोहन सिंह ने यह बात ऐसे समय लिखी जबकि कलेक्टर जिले को नक्शे में (पर्यटन स्थल) बनाने के लिए नई नई खोजों के साथ मशक्कत कर रही हैं। इसमें भी बड़ी बात तो यह है कि व्यवस्था को लेकर मुख्यालय के आस- पास ही क्यों खुद कलेक्टर बंगले के सामने का हाल देख लीजिए होश फाख्ता तो हो जायेंगे, कलेक्टर बंगले के सामने जानवरों का जमघट देखकर तो यहां ऐसा लगता है जैसे कि हर मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की तरह गौवंश यहां अपनी सुनवाई के लिए डेरा डालते हैं और इन बेजुबानों का हश्र भी ठीक वैसे ही होता जैसे जनसुनवाई में पहुंचने वाले परेशान लोगों का होता है। जबकि नगरपालिका ने आवारा जानवरों से नगर की सुरक्षा के लिए बाकायदा हांका दल तो बना रखा है।

दिल्ली लाल किले के ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल हुई नर्मदापुरम के सांवलखेड़ा की सरपंच शर्मिला मेहरा

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले की जनपद पंचायत नर्मदापुरम की ग्राम पंचायत सांवलखेड़ा की सरपंच शर्मिला मेहरा को दिल्ली के लाल किले में हुए ध्वजारोहण समारोह में आमंत्रित किया गया। महिला सरपंच ने बहुत कम समय में शासन की योजनाओं की मूल भावना को आत्मसात करते हुए ग्राम पंचायत में हितग्राहीमूलक एवं

सामुदायिक विकास के कार्यों में रूचि लेकर प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वयन कराया। साथ ही स?वच?छता के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट कार्य किये गये। आपके द्वारा विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं, जैसे- संबंल योजना से 02, वृद्धावस्था पेंशन योजना से 12, प्रधानमंत्री आवास योजना से 13, आयुष्मान योजना के तहत 250 कार्ड बनवाने के अलावा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में 20 हितग्राहीयों को पंजीकृत कराया गया। लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत 230 महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। इसी प्रकार निर्माण कार्यों में सार्वजनिक टीन शेड निर्माण, ग्राम नोहर से पालासडोह सड़क निर्माण , नाडेप निर्माण, लीच पिट निर्माण, नाली निर्माण, स्व सहायता समूहों को 6 लाख तक के लोन स्वीकृत करवाये गए। एक महिला सरपंच के द्वारा अपने मनोबल से ग्राम पंचायत में निरंतर कार्य कराये जाने के कारण आज इन्हें भारत सरकार ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिये आमंत्रित किया, जिससे न सिर्फ सांवलखेड़ा ग्राम पंचायत, बल्कि ज़िला नर्मदापुरम भी गौरवांवित हुआ है।

नवीन बस स्टैंड परिसर में स्वतंत्रता दिवस पर नगर की शैक्षणिक संस्थानों के छात्र छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

सुबह सवेरे सोहागपुर। स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह नवीन बस स्टैंड परिसर में मनाया गया। इस अवसर मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष जालम सिंह, अनुविभागीय अधिकारी बृजेंद्र

रावत, तहसीलदार अल्का एक्का,नगर निरीक्षक कंचनसिंह सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मंचासीन थे। मुख्य अतिथि ने झंडा फहराने के उपरांत मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया। इस अवसर पर नगर की शैक्षणिक संस्थानों के छात्र छात्राओं ने देश भक्ति से ओत-प्रोत उत्कृष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन संजीव शुक्ला ने किया।

सांस्कृतिक 9 शालाओं के 118 छात्र, छात्राओं शानदार प्रदर्शन करके तालियां बटोरीं। कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिकों के अलावा समस्त विभागों के अधिकारी , कर्मचारी , विभिन्न शालाओं के शिक्षक छात्र, छात्राएं उपस्थित थे। अतिथियों ने छात्र, छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किए।

कृषि मंडी सेमरी में ध्वजारोहण

सुबह सवेरे सोहागपुर। कृषि उपज मंडी परिसर सेमरी हरचंद में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण अनुविभागीय अधिकारी बृजेंद्र रावत सोहागपुर ने किया।इस अवसर पर तहसीलदार अल्का एक्का सहित कई कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कलेक्टर-एसपी ने सीवन नदी घाट एवं कुबेरेश्वर धाम का किया निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। सीहोर नगर के सीवन नदी घाट से कुबेरेश्वर धाम तक 17 अगस्त को कावड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह कावड़ यात्रा सीवन नदी घाट से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए कुबेरेश्वर धाम पहुंचेगी। कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह तथा एसपी श्री मयंक अवस्थी ने कावड़ यात्रियों की सुरक्षा एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को दृष्टिगत रखते हुए सीवन नदी घाट एवं कुबेरश्वर धाम का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री प्रवीण सिहं ने कावड़ यात्रा के दौरान सीवन नदी घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए घाट पर मोटर बोट एवं अन्य संसाधनों के साथ होमगार्ड जवानों एवं अन्य अधिकारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए है। उन्होंने सीवन नदी घाट एवं कुबेरेश्वर धामपर फायर ब्रिगेड, फायर फाइटर, साफ-सफाई आदि की व्यवस्थाओं के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए है। कावड़ यात्रा के दौरान अनेक स्थानों पर शुद्ध पेयजल के टैंकर की उपलब्धता के भी निर्देश दिए हैं।

हर्षोल्लास एवं उत्साह से मनाया गया जिले में स्वतंत्रता दिवस

जिले के मुख्य समारोह में कलेक्टर ने किया ध्वजारोहण

नरसिंहपुर। जिले में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास, उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस का जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर में आयोजित हुआ। मुख्य समारोह में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने ध्वजारोहण किया। इसके पश्चात श्रीमती पटले एवं पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार ने संयुक्त परेड की सलामी ली। परेड में भाग लेने वाली विभिन्न टुकड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें शुभकामनायें भी दी। तत्पश्चात समृद्धि के प्रतीक रंगीन गुब्बारों को आकाश में छोड़ा। इस मौके पर बैंड द्वारा जन- गण- मन की धुन प्रस्तुत की गई। तत्पश्चात उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रदेशवासियों को संबोधित संदेश का वाचन किया। कार्यक्रम में पूर्व राज्यसभा सांसद श्री कैलाश सोनी, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटैल, नगर पालिका अध्यक्ष श्री नीरज दुबे, श्री अभिलाष मिश्रा, डॉ. हरगोविंद पटेल, श्री महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, श्रीमती संध्या कोठारी, श्री बंटी सलूजा और अन्य जनप्रतिनिधि की भी विशेष उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री के संदेश के वाचन के पश्चात परेड दलों द्वारा जयघोष एवं हर्षफायर किया गया। समारोह में विशेष सशस्त्र बल 6 वीं बटालियन, जिला पुलिस बल, जिला महिला पुलिस बल, जिला होमगार्ड बल, पुलिस बैंड दल, एनसीसी सीनियर डिवीजन बॉयस एमआईएमटी कॉलेज, एनसीसी सीनियर गर्ल्स एमआईएमटी कॉलेज नरसिंहपुर, एनसीसी जूनियर डिवीजन बॉयस उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर, एनसीसी जूनियर डिवीजन गर्ल्स उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर, एनएसएस गर्ल्स उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर, रेडक्रास गर्ल्स पीएम श्री शासकीय एमएलबी कउमावि, स्काउट गाइड गर्ल्स पीएम श्री शासकीय एमएलबी कउमावि और शौर्य दल जिला महिला एवं बाल विकास विभाग नरसिंहपुर दलों के सदस्यों की संयुक्त परेड द्वारा आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों, लोकतंत्र सेनानियों को भी शाल- श्रीफल देकर सम्मानित किया।

परेड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे आकर्षण का केन्द्र

स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह के सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्कूली बच्चों द्वारा राष्ट्र भक्ति पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समां बांधा। स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा उत्कृष्ट परेड के लिए पुलिस बल को प्रथम एवं एनसीसी गर्ल्स एमआईएमटी कॉलेज को द्वितीय पुरस्कार दिया गया। यहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शानदार प्रस्तुति के लिये शासकी उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर को प्रथम, शासकीय नेहरू उमावि नरसिंहपुर को द्वितीय, चावरा विद्यापीठ नरसिंहपुर को तृतीय और श्रीमती प्रेमादेवी खरया इंग्लिश स्कूल करेली को चतुर्थ पुरस्कार दिया गया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को किया गया पुरस्कृत

मुख्य समारोह में कलेक्टर एवं एसपी ने विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 205 अधिकारी-कर्मचारियों व व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री संजय चौबे, श्री दीपक अग्निहोत्री और श्रीमती विभा दुबे ने किया।इस अवसर पर डीएफओ श्री लविट भारती, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, सहायक कलेक्टर श्री शुभम यादव, अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि, शिक्षण संस्थाओं के शिक्षक, शिक्षिकायें, छात्र-छात्रायें आदि उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस पर कलेक्ट्रेट कार्यालय में कलेक्टर श्री दुबे ने किया ध्वजारोहण

रायसेन (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर में कलेक्टर श्री अरविंद दुबे द्वारा ध्वजरोहण किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार सहित समस्त विभागों के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। ध्वजारोहरण के पश्चात कलेक्टर श्री दुबे ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। कलेक्टर श्री दुबे ने अपने निवास पर भी ध्वजारोहण किया।

पौधरोपण में सहभागिता

विदिशा (निप्र)। पशुपालन एवं डेयरी (स्वतंत्र प्रभार) राज्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल ने सीएम राइज स्कूल बरईपुरा में पहुंचकर मध्यान्ह भोजन के पहले स्कूल परिसर में अशोक का पौधा रोपित कर पौधरोपण कार्य में सहभागिता निभाई। इसी प्रकार जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी, विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने भी पौधरोपण कार्यो में सहभागिता निभाई।

शहीदों की स्मृति में पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि

विदिशा (निप्र)। पशुपालन एवं डेयरी (स्वतंत्र प्रभार) राज्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल ने शहीद ज्योति स्तंभ पर पहुंचकर स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाले सभी शहीदो की स्मृति में शहीद ज्योति स्तंभ पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धाजलि अर्पित की। इस अवसर पर विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन समेत अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि

विदिशा (निप्र)। विदिशा शहर के नीमताल चैराहे पर स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पशुपालन एवं डेयरी (स्वतंत्र प्रभार) राज्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी , विधायक श्री मुकेश टण्डन, विदिशा नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शर्मा के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला के अलावा अन्य अधिकारी व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

नशा तस्करों को सजायाबी कराने पर अधिवक्ता शैलेष पुरोहित पुरस्कृत

नरसिंहपुर। न्यायालय में दमदार पैरवी करके अपर लोक अभियोजक शैलेष पुरोहित ने बड़ी संख्या में नशा तस्करों को सजायाबी कराने के उल्लेखनीय कार्य किया। इसके लिए उन्हें स्वतंत्रता दिवस समारोह की मुख्य अतिथि कलेक्टर शीतला पटले व पुलिस अधीक्षक

अमित कुमार ने ट्राफी व प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया।

पहले भी हो चुके सम्मानित - अधिवक्ता शैलेष पुरोहित को वर्ष 2022-23 में भी अनेकों नशा कारोबारियों को सजा दिलाने के लिए सम्मानित किए गए थे।

जिले में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस, रायसेन में आयोजित मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री श्री पवार ने किया ध्वजारोहरण

रायसेन (निप्र)। जिला मुख्यालय सहित सम्पूर्ण जिले में पूरे उमंग, उत्साह और राष्ट्रप्रेम की भावनाओं से ओत-प्रोत वातावरण में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। जिला मुख्यालय रायसेन स्थित होमगार्ड परेड ग्राउण्ड में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि जिले के प्रभारी मंत्री तथा मछुआ कल्याण और मत्स्य विकास विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पंवार द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं परेड की सलामी ली गई। मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा प्रदेश की जनता के नाम प्रसारित संदेश का वाचन भी किया। समारोह में मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने सलामी परेड का निरीक्षण किया। समारोह में सुरक्षा बलों द्वारा हर्ष फायर एवं राष्ट्रगान की आकर्षक धुन प्रस्तुत की गई। परेड में विशेष सशस्त्र बल, जिला पुलिस बल, महिला पुलिस बल, होमगार्ड, एनसीसी, स्काउट, शौर्या दल तथा गाईड द्वारा आकर्षक परेड की गई। प्रभारी मंत्री द्वारा रंग-बिरंगे गुब्बारे भी आकाश में छोड़े गए। कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई, जिन्होंने सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, भोजपुर विधायक श्री सुरेन्द्र पटवा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन, कलेक्टर श्री अरविंद दुबे, प्रभारी पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश कुमार, डीएफओ श्री विजय कुमार, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार सहित अधिकारी, कर्मचारी, श्री राकेश शर्मा और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता संग्राम सैनानियों तथा लोकतंत्र सैनानियों के परिजनों का सम्मान

स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री श्री पंवार द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों तथा मीसा बंदियों को शाल, श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

परेड तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए इन्हें मिला पुरस्कार

स्वतंत्रता दिवस समारोह के अंत में परेड तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए पुरस्कार वितरित किए गए। सीनियर परेड के लिए महिला पुलिस बल को प्रथम पुरस्कार, जिला पुलिस बल को द्वितीय पुरस्कार तथा होमगार्ड्स को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

जूनियर परेड में एनसीसी सीनियर बालक ीएमश्री स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय रायसेन को प्रथम पुरस्कार, एनसीसी सीनियर बालिका पीएमश्री स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय रायसेन को द्वितीय पुरस्कार तथा एनसीसी जूनियर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय रायसेन को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। मिनी जूनियर परेड के लिए सेंट फ्रांसिस कॉन्वेंट स्काउट दल को प्रथम पुरस्कार, गाइड जूनियर शासकीय कन्या उ.मा.विद्यालय रायसेन को द्वितीय पुरस्कार तथा शौर्या दल को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी प्रकार सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय रायसेन को प्रथम पुरस्कार, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रायसेन को द्वितीय पुरस्कार, केन्द्रीय विद्यालय रायसेन को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इनके अतिरिक्त सेंट फ्रांसिस कान्वेंट स्कूल, आरजीएम स्कूल तथा ड्रीम इंडिया स्कूल को सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय सेवकों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जिले के प्रभारी मंत्री श्री पवार ने छात्र-छात्राओं के साथ किया मध्यान्ह भोजन

जिले के प्रभारी मंत्री तथा मछुआ कल्याण और मत्स्य विकास विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पंवार स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपरांत रायसेन में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मध्यान्ह भोजन में शामिल हुए। उन्होंने छात्र-छात्राओं से संवाद कर शैक्षणिक गतिविधियों की भी जानकारी ली। प्रभारी मंत्री श्री पंवार, सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, भोजपुर विधायक श्री सुरेन्द्र पटवा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, कलेक्टर श्री अरविंद दुबे, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया तथा अपर कलेक्टर श्रीमत श्वेता पवार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं के साथ मध्यान्ह भोजन किया।

आजादी का पर्व अमर शहीदों के बलिदान, साहस और शौर्य के पुर्नस्मरण का दिन है : सीएम यादव

● मुख्यमंत्री 'आजादी का महापर्व' सांस्कृतिक संध्या में हुए शामिल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वतंत्रता दिवस (आजादी का पर्व) अमर शहीदों के बलिदान, साहस और शौर्य को पुर्नस्मरण का दिन है। देश के वीर सपूतों ने मातृभूमि को रक्त से सींचकर हमें स्वतंत्रता दिलाई है। रानी दुर्गावती, चंद्रशेखर आजाद, झांसी रानी लक्ष्मी बाई और पृथ्वीराज जैसे वीर बलिदानियों के शौर्य को सदैव स्मरण रखने की जरूरत है। स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में पृथ्वी राज चौहान की वीरता, संघर्ष और विजय पताका का उदाहरण हमारे लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे देश का इतिहास रानी दुर्गावती जैसी कई वीरांगनाओं की शौर्य गाथाओं से भरा पड़ा है। स्वतंत्रता संग्राम, स्वतंत्रता सेनानियों और वीरों के बलिदान, व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाशित पुस्तकें देश और प्रदेश के लिए बड़ा दस्तावेज हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व के हमारे वीर शासकों ने नवीन तकनीक का उपयोग नहीं किया लेकिन

आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर देश के अभिमान को बचाए रखा। हमें समय की प्रासंगिकता को दृष्टिगत रखते हुए नवीन तकनीक का उपयोग करना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वतंत्रता दिवस पर रवींद्र भवन सभागार में आयोजित 'आजादी का महापर्व' सांस्कृतिक संध्या को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संस्कृति एवं पर्यटन श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, विधायक श्री भगवानदास सबनानी और प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन श्री शिव शेखर शुक्ला उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका सुश्री पलक मुछाल और गायक पलाश मुछाल का स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बदलते दौर में देश आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व पर हमें गर्व है। हमारी सेना किसी से कम नहीं है। उन्होंने भारत के सैनिकों की वीरता को सराहा। हमारी सेना ने अनेक अवसरों पर दुश्मन के छक्के छुड़ा दिए। संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने 78 वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए देश को आजादी दिलाने वाले अमर शहीदों को याद कर नमन किया। उन्होंने कहा कि वीर सपूतों की वजह से ही हम स्वतंत्र हुए हैं। देश, समाज और राष्ट्र के विकास में प्रधानमंत्री श्री मोदी कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी का संकल्प है कि देश फिर से विश्व गुरु बने। स्वराज संस्थान संचालनालय संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रख्यात पार्श्व गायिका सुश्री पलक मुछाल और गायक श्री पलाश मुछाल के कलाकार दल ने राष्ट्र भक्ति के गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में स्वाधीनता संग्राम विषय पर आधारित 15 पुस्तकों का विमोचन किया गया। संस्कृति विभाग के कला पंचाग 2024-25 का विमोचन भी किया गया। प्रमुख सचिव संस्कृति श्री शिव शेखर शुक्ला ने पौधा भेंट कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया और आभार प्रदर्शन भी किया।

म.प्र.के 3 हजार से ज्यादा डॉक्टर हड़ताल पर

भोपाल-इंदौर समेत कई जिलों में प्रदर्शन, जबलपुर हाईकोर्ट पहुंचा मामला

भोपाल (नप्र)। कोलकाता में 8 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर से रेप के बाद हत्या के विरोध में देशभर में डॉक्टर्स का प्रदर्शन जारी है। भोपाल में एम्स के बाद हमीदिया अस्पताल के 250 से ज्यादा जूनियर डॉक्टर्स ने भी गुरुवार रात 12 बजे से काम बंद कर दिया है। इंदौर में भी जूनियर डॉक्टर्स आज इमरजेंसी केस ही देखेंगे।

जबलपुर, छिंदवाड़ा, ग्वालियर, रतलाम में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सदस्य डॉक्टर हड़ताल के समर्थन में बांह पर काली पट्?टी बांधकर विरोध जता रहे हैं।

हड़ताल की वजह से ज्यादातर सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की हालत बिगड़ने लगी है। इलाज के लिए मरीजों की लाइनें लग रही हैं। पैथोलॉजी टेस्ट नहीं हो पा रहे हैं। परिजन भी परेशान हो रहे हैं।

इधर, डॉक्टरों की हड़ताल का मामला जबलपुर हाईकोर्ट पहुंच गया। जनहित याचिका में डॉक्टरों की हड़ताल को गलत बताया गया है। कोर्ट आज ही याचिका पर सुनवाई करेगा।

मेडिकल इंटर्न को ड्यूटी पर लेने की तैयारी- भोपाल में हड़ताल से निपटने गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) की डीन डॉ. कविता एन सिंह ने सभी डॉक्टर्स की छुट्टियां निरस्त कर दी हैं। 24 घंटे ड्यूटी पर रहने के आदेश भी जारी किए हैं। साथ ही मेडिकल टीचर्स को इमरजेंसी, ओपीडी, ऑपरेशन थिएटर, वार्ड में तैनात करने के निर्देश सभी डिपार्टमेंट के प्रमुखों को दिए गए हैं।

जरूरत पड़ने पर मेडिकल इंटर्न को भी तैनात करने के लिए कहा गया है। सभी डिपार्टमेंट के प्रोफेसर्स से इस पर अमल की रिपोर्ट भी मांगी है।

प्रदेश में 17 हजार से अधिक डॉक्टर हड़ताल पर- मुख्य संयोजक शासकीय स्वशासी चिकित्सक महासंघ मध्य प्रदेश से डॉ. राकेश मालवीय ने बताया कि इस पूरे विरोध प्रदर्शन में दोपहर 12 से 1 बजे तक प्रदेश भर की कई एसोसिएशन ने काम बंद किया। इसमें प्रदेश भर से 17 हजार से अधिक डॉक्टर हड़ताल पर थे।

ये एसोसिएशन रही शामिल- यूनाइटेड डॉक्टर फेडरेशन, चिकित्सक महासंघ, प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर एसोसिएशन मध्य प्रदेश, मेडिकल ऑफिसर एसोसिएशन मध्य प्रदेश, जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन मध्यप्रदेश, ईएसआई मेडिकल ऑफिसर एसोसिएशन मध्य प्रदेश, मेडिकल ऑफिसर मेडिकल एजुकेशन मध्य प्रदेश, होम डिपार्टमेंट एसोसिएशन मध्य प्रदेश शामिल।

भोपाल के कई प्राइवेट अस्पतालों में भी 1 घंटे ओपीडी रही बंद- पालीवाल हॉस्पिटल से डॉक्टर जेपी पालीवाल ने बताया कि हमने आज एक घंटे के लिए पेन डाउन किया था। इस दौरान हमने ओपीडी के मरीजों से आग्रह किया, लोगों को बताया कि वह हम ऐसा क्यों कर रहे हैं।इसके बाद मरीजों ने भी इसमें सहयोग किया। इसके अलावा हमारे यहां सभी तरह की इमरजेंसी सुविधाएं चालू रहीं।

इंदौर में सड़क पर उतरे जूनियर डॉक्टर

कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और मर्डर की घटना के विरोध में इंदौर में भी जूनियर डॉक्टर सड़क पर उतर आए। उन्होंने सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया।

भोपाल एम्स के बाहर नुक्कड़ नाटक

भोपाल एम्स के जूनियर डॉक्टरों ने गेट के बाहर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में दबंगों की एंट्री और डॉक्टरों से बदसलूकी के हालात को बयां किया।

डॉक्टरों की हड़ताल का मामला हाईकोर्ट पहुंचा

मध्यप्रदेश में डॉक्टरों की हड़ताल का मामला जबलपुर हाईकोर्ट पहुंच गया है। आवश्यक सेवाएं ठप कर हड़ताल पर जाने के मामले को लेकर जनहित याचिका लगाई है। इसमें आज ही सुनवाई होगी। नरसिंहपुर के याचिकाकर्ता अंशुल तिवारी ने कहा है कि मध्यप्रदेश से कोलकाता की घटना का कोई लेना-देना नहीं है फिर भी डॉक्टर हड़ताल पर चले गए हैं।

रायसेन में काली पट्टी बांधकर सांकेतिक हड़ताल

रायसेन जिला अस्पताल में भी करीब 35 डॉक्टर दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक काली पट्टी बांध कर सांकेतिक हड़ताल पर रहे। ओपीडी बंद करने के बाद सभी डॉक्टरों ने अस्पताल परिसर में नारेबाजी करते हुए विरोध जताया। जिससे स्वास्थ्य सेवाएं लड़खड़ा गईं। मरीज परेशान होते नजर आए। डॉक्टर आलोक राय ने कहा कि सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट लागू कर सुरक्षा की गारंटी दी जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शैक्षिक डिजिटल बस का किया शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान भोपाल के लाल परेड ग्राउंड से शैक्षिक डिजिटल बस का शुभारंभ किया और हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने डिजिटल बस की कार्यप्रणाली को जाना और छात्रों से संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली में डिजिटल बस छात्रों के लिये उपयोगी साबित होगी।

राज्य शिक्षा केंद्र की सहयोगी संस्था एसआरएफ फाउंडेशन द्वारा संचालित डिजिटल बस में 20 कम्प्यूटर के साथ इंटरनेट की सुविधा भी है। डिजिटल बस विद्यालयीन छात्रों को स्मार्ट शिक्षा कार्यक्रम के तहत विषय आधारित जानकारी उपलब्ध करायेगी। छात्रों को स्मार्ट शिक्षा प्रदान करने डिजिटल बस राजधानी भोपाल के चयनित विद्यालयों में निरंतर भ्रमण करेगी। डिजिटल बस शुभारंभ अवसर पर शिक्षा विभाग के अधिकारी एसआरएफ फाउंडेशन के पदाधिकारी और विद्यार्थी मजूद रहे।

डेढ़ घंटे बिजली के खंभे पर लटकी रही लाश

गुना में फॉल्ट सुधारने खंभे पर चढ़ा था लाइन मैन, बिजली बंद-चालू कराने वाला कर्मचारी फरार

गुना (नप्र)। गुना में फॉल्ट सुधारने के लिए बिजली के खंभे पर चढ़े लाइनमैन की करंट लगने से मौत हो गई। उसका शव डेढ़ घंटे तक खंभे पर ही लटका रहा। विद्युत विभाग कोई व्यवस्था तक नहीं कर पाया, जिसके बाद नगरपालिका के हाइड्रोलिक वाहन से शव नीचे उतारा गया।

जिले के आरोन इलाके में गुरुवार शाम विद्युत विभाग का लाइनमैन आनंद प्रजापति खंभे पर चढ़ा था। फॉल्ट सुधारने के दौरान पावर हाउस से किसी ने लाइट चालू कर दी। उसे जोर का झटका लगा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पावर हाउस में कर्मचारी नरेश की ड्यूटी थी। उसी को लाइट बंद और चालू करवानी थी। घटना के बाद नरेश फरार है। शुक्रवार सुबह जिला अस्पताल में शव का पोस्टमॉर्टम किया गया।

चार दिन पहले ही किया था जॉइन- जानकारी के अनुसार लाइनमैन आनंद प्रजापति चार दिन पहले ही मधुसूदनगढ़ क्षेत्र से स्थानांतरित होकर आरोन आए थे। गुरुवार शाम सिरोंज रोड पर स्थित साईं सिटी कॉलोनी में 5:30 बजे 11 केवी की बिजली लाइन में फॉल्ट होने पर सुधारने के लिए वह बिजली पोल पर चढ़े थे। इसी दौरान अचानक विद्युत प्रवाह आ जाने से करंट लगने से वह खंभे पर ही तार से चिपक गए। करीब डेढ़ घंटे तक उनका शव खंभे पर ही लटका रहा। शाम करीब 7 बजे नगर पालिका के स्ट्रीट लाइट सुधारने वाले हाइड्रोलिक वाहन से शव को उतारा जा सका।

परिजन को बिना बताए गुना भेजा शव

शव नीचे उतारने के बाद उन्हें लेकर आरोन अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने लाइनमैन को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद विद्युत विभाग के कर्मचारी परिवार को बिना बताए शव को गुना जिला अस्पताल लेकर आ गए। यहां शव को पीएम रूम में रखवा दिया गया। जबकि आरोन अस्पताल में भी पोस्टमॉर्टम की व्यवस्था है।

ऐसे में परिवार वाले सवाल उठा रहे हैं कि परिवार को बिना बताए बॉडी को गुना क्यों लेकर आए। जब परिवार वालों को पता चला, तब वह गुना पहुंचे। शुक्रवार सुबह जिला अस्पताल में शव का पोस्टमॉर्ट्म किया गया। इस मामले में गुना बिजली कंपनी के डीई राजेंद्र सिंह का कहना है कि मामले की जांच कराई जा रही है।

चौथी मंजिल से गिरी एमबीबीएस छात्रा, मौत

चाइना से पांच दिन पहले ग्वालियर लौटी थी; रिटायर्ड फौजी की इकलौती बेटी थी

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में एमबीबीएस छात्रा की मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के चौथे माले से गिरने से मौत हो गई। वो चाइना में पढ़ाई कर रही थी। पांच दिन पहले ही ग्वालियर आई थी। वह डिप्रेशन में थी, जिसके चलते रिटायर्ड फौजी पिता ने उसे डॉक्टर को दिखाया भी था। घटना गुरुवार रात करीब साढ़े 9 बजे डीडी नगर कोठारी हाउस के सामने की है।

घटना के बाद घायल छात्रा को लेकर परिजन बिड़ला हॉस्पिटल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्रा परिवार की इकलौती बेटी थी। पुलिस पड़ताल कर रही है कि मेडिकल स्टूडेंट का गिरना हादसा है या सुसाइड।

गिरने की आवाज से पहुंचे लोग

राजीव दुबे शहर के महाराज पुरा थाना क्षेत्र में डीडी नगर स्थित कोठारी हाउस के सामने रहते हैं। रात करीब साढ़े 9 बजे घर के बाहर कुछ गिरने की तेज आवाज आई। राजीव और आसपास के लोग बाहर आए तो देखा उनकी 22 वर्षीय बेटी दीक्षा सड़क पर लहूलुहान पड़ी है। राजीव का परिवार चौथी मंजिल पर रहता है। आशंका जाहिर की जा रही है कि छात्रा चौथी मंजिल की छत से ही गिरी है।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के बाद मर्ग कायम कर लिया है। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया।

परिवार की इकलौती बेटी थी दीक्षा

दीक्षा अपने माता-पिता की इकलौती बेटी थी। महाराजपुरा टीआई धर्मेंद्र यादव का कहना है कि पुलिस जांच कर पता लगा रही है कि उसने सुसाइड किया है या उसका गिरना हादसा है। पुलिस फोरेंसिक टीम के साथ मिलकर सीन रीक्रिएशन भी कर रही है।

पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आखिरकार मेडिकल स्टूडेंट के डिप्रेशन का कारण क्या है। पुलिस को आशंका है कि उसके डिप्रेशन की जड़ चाइना से जुड़ा कोई मामला हो सकता है। अभी तक कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है।

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. वाजपेयी के विचार देश और दुनिया को सदैव प्रेरणा देते रहेंगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी की पुण्य-तिथि पर किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन खुली किताब की तरह है। उनके भाषण, विचार और शब्द रचना ध्येय वाक्य की तरह प्रभावशील हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनकी कालजयी कविता आओं फिर दिया जलाएं की पंक्तियों 'छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता है-टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता है' का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी कई रचनाएं लम्बे समय तक लोगों के लिए प्रेरणास्पद रहेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी की पुण्य-तिथि पर उन्हें नमन किया। डॉ. यादव ने अरेरा हिल्स स्थित पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद संबोधित कर उक्त विचार व्यक्त किए।

संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी को किया स्थापित- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में अपनी जीवन यात्रा आरंभ की और 5 प्रधानमंत्रियों के सामने विपक्ष के नेता के रूप में अपने दायित्व का प्रभावी रूप से निर्वहन किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ में भी हिंदी को स्थापित करके दिखाया और यह भी बताया कि मातृ भाषा से प्रेम किसे कहते हैं। इसी का प्रभाव था कि उन्हें विपक्षी दल का नेता होने के बावजूद भी भारत सरकार का प्रतिनिधि बनाकर संयुक्त राष्ट्र संघ भेजा गया।

देश के सामर्थ्य से दुनिया को अवगत कराया- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विदेश नीति के संबंध में स्व. वाजपेयी का स्पष्ट मानना था कि हम सब कुछ बदल सकते हैं, लेकिन अपने पड़ौसी नहीं बदल सकते। इस विचार के साथ ही उन्होंने देश के पड़ोसियों और दुनिया को देश के सामर्थ्य से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि वे सभी सौभाग्यशाली हैं जिन्हें पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी के भाषणों को सुनने तथा उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में काम करने का अवसर प्राप्त हुआ। उनके विचार देश और दुनिया को सदैव मार्गदर्शन प्रदान करते रहेंगे। इस अवसर पर खेल एवं युवक कल्याण तथा सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, सांसद श्री वी.डी. शर्मा, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक श्री भगवानदास सबनानी सहित श्री हितानंद शर्मा और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

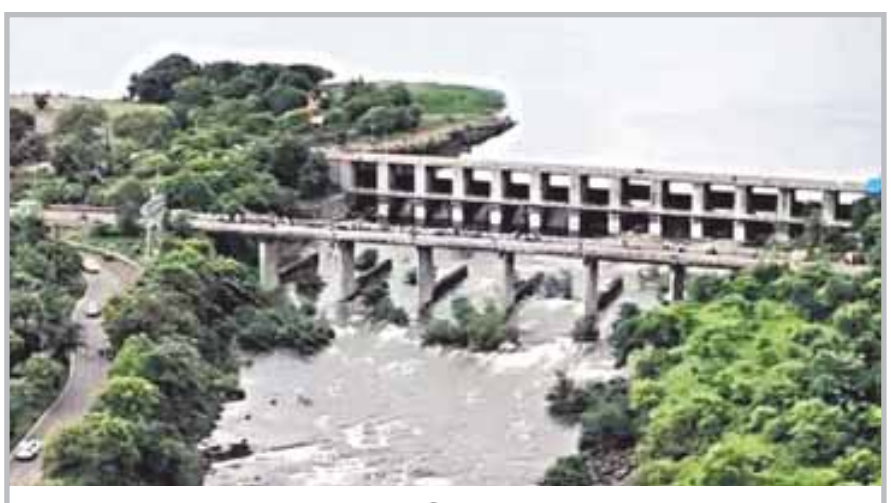

डेढ़ महीने की बारिश में डैम लबालब

म.प्र. में गर्मी तक के पानी का इंतजाम

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में मानसून सीजन की 73 प्रतिशत यानी 27 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। दो महीने के अंदर ही नदियां उफान पर आ गई हैं। भारी बारिश से बरगी, ओंकारेश्वर, कोलार, इंदिरा सागर, कलियासोत, भदभदा समेत बड़े बांध 80प्रतिशत से ज्यादा भर गए हैं। 10 से ज्यादा डैम के कैचमेंट एरिया में इतनी अधिक बारिश हुई कि डेढ़ महीने में ही इनके गेट खोलने पड़े हैं। ये डैम भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर सहित कई शहरों की प्यास बुझाते हैं, इसलिए गर्मी तक वाटर सप्लाई का इंतजाम हो गया है। लाखों हेक्टेयर में फसलें भी इनके पानी से लहलहाएंगी। डैम अब अपनी कैपेसिटी के मुताबिक बिजली पैदा कर सकेंगे।